केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

आप जो करेंगे परिणाम उसी का आएगा

वर्ष : 16 अंक : 286 | उज्जैन, रविवार 29 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

वाराणसी में 31 मार्च को एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन

अंतर्राज्यीय सहयोग का नया मॉडल गढ़ेगा एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन

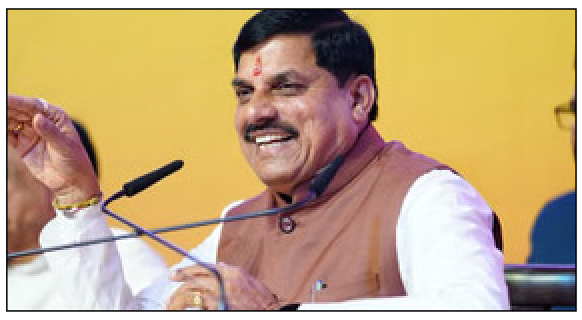

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार 31 मार्च 2026 को वाराणसी में आयोजित होने वाले ÷एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026÷ के माध्यम से अंतरराज्यीय सहयोग को एक ठोस, परिणामोन्मुख और वैश्विक दृष्टि से जोड़ने की दिशा में निर्णायक पहल करेगी। यह सम्मेलन महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत संवाद के साथ ही ओडीओपी, जीआई टैग, पारंपरिक शिल्प, निर्यात योग्य उत्पादों, निवेश और पर्यटन को एकीकृत करते हुए एक व्यापक आर्थिक इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सक्रिय उपस्थिति इस आयोजन को नीति-निर्माण से आगे बढ़ाकर क्रियान्वयन आधारित सहयोग की दिशा में परिवर्तित करेगी, जिससे दोनों राज्यों के बीच विकास का एक सशक्त और दीर्घकालिक मॉडल विकसित होगा।

अध्ययन भ्रमण से विकसित होगा आधुनिक तीर्थ प्रबंधन का दृष्टिकोण- कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के अध्ययन भ्रमण से होगी, जहां क्राउड फ्लो डिजाइन, अधोसंरचना लेआउट और तीर्थयात्री प्रबंधन प्रणालियों का गहन अवलोकन किया जाएगा। यह भ्रमण केवल एक निरीक्षण नहीं होगा, बल्कि आधुनिक शहरी नियोजन और तीर्थस्थल प्रबंधन के सफल मॉडल को समझने का अवसर प्रदान करेगा। इस अनुभव के आधार पर मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थलों के विकास, सुविधाओं के विस्तार और व्यवस्थागत सुधार के लिए व्यवहारिक दृष्टिकोण विकसित किया जाएगा, जिससे तीर्थ पर्यटन को अधिक सुव्यवस्थित और आकर्षक बनाया जा सकेगा।

ओडीओपी, जीआई और निर्यात योग्य उत्पादों को मिलेगा एकीकृत वैश्विक मंच- सम्मेलन में ओडीओपी, जीआई टैग उत्पादों, पारंपरिक शिल्प, कृषि एवं फूड उत्पादों को ब्रांडिंग, मार्केटिंग और निर्यात से जोड़ने पर विशेष फोकस रहेगा। उत्तरप्रदेश की ओडीओपी पहल के अनुभवों और उसके आर्थिक प्रभावों की प्रस्तुति से यह स्पष्ट होगा कि किस प्रकार स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बनाया जा सकता है। इस मंच पर दोनों राज्यों के उत्पादों की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हुए उन्हें एक साझा ब्रांडिंग दृष्टिकोण के तहत प्रस्तुत करने की दिशा में विचार-विमर्श होगा, जिससे निर्यात संवर्धन और मूल्य संवर्धन के नए अवसर विकसित होंगे।

एमओयू से सुदृढ़ होगी व्यापार, निवेश और कौशल विकास की साझेदारी- सम्मेलन में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के बीच एमओयू हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिनके माध्यम से व्यापारिक सहयोग, औद्योगिक निवेश, कौशल विकास, हस्तशिल्प संवर्धन और पर्यटन क्षेत्र में साझेदारी को औपचारिक रूप दिया जाएगा। यह समझौता केवल दस्तावेजी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे जमीनी स्तर पर लागू करते हुए उद्योगों, उद्यमियों और शिल्पकारों के लिए नए अवसर सृजित किए जाएंगे। ओडीओपी उत्पादों के आदान-प्रदान से स्थानीय उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंचाने और उनकी ब्रांड वैल्यू बढ़ाने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी।

उद्योग, नीति-निर्माता और शिल्पकारों को मिलेगा साझा संवाद मंच- यह सम्मेलन उद्योग जगत, निवेशकों, शिल्पकारों, कृषि एवं फूड उत्पादकों और नीति-निर्माताओं को एक व्यापक और समावेशी मंच प्रदान करेगा, जहां वे नीतिगत प्रोत्साहनों, अधोसंरचना विकास, लॉजिस्टिक सपोर्ट और निवेश अवसरों पर गहन चर्चा करेंगे। वस्त्र एवं परिधान, हस्तशिल्प, एमएसएमई, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे विविध क्षेत्रों की सहभागिता इस आयोजन को बहु-आयामी बनाएगी। इससे उद्योग-सरकार समन्वय को मजबूती मिलेगी और निवेश निर्णयों को गति प्रदान करने वाला वातावरण तैयार होगा।

प्रदर्शनी से प्रदर्शित होगी मध्यप्रदेश की औद्योगिक और सांस्कृतिक शक्ति- सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश के ओडीओपी उत्पादों, जीआई टैग हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्रों, निवेश संभावनाओं, औद्योगिक क्षमताओं और प्रमुख पर्यटन स्थलों को एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह प्रदर्शनी केवल प्रदर्शन का माध्यम नहीं होगी, बल्कि निवेशकों और प्रतिभागियों के लिए राज्य की वास्तविक क्षमताओं को समझने और उनसे जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी। इसके माध्यम से मध्यप्रदेश की आर्थिक और सांस्कृतिक विविधता को एक संगठित और प्रभावी रूप में सामने लाया जाएगा।

शिल्पकारों के लिए ÷गंगा-नर्मदा क्राफ्ट कॉरिडोर÷ जैसी अभिनव पहल को मिलेगा बल- जॉइंट आर्टिजन वर्कशॉप में चंदेरी और महेश्वरी शिल्पकार बनारसी सिल्क कारीगरों के साथ मिलकर साझा ब्रांडिंग, बाजार विस्तार और ÷गंगा-नर्मदा क्राफ्ट कॉरिडोर÷ की अवधारणा को आगे बढ़ाएंगे। यह पहल पारंपरिक शिल्प को आधुनिक बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने और शिल्पकारों को प्रत्यक्ष बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी। इससे न केवल हस्तशिल्प को नई पहचान मिलेगी, बल्कि कारीगरों की आय और आजीविका के अवसर भी सुदृढ़ होंगे।

न्यूज ब्रीफ

MiG-29 लड़ाकू विमान होगा अब और भी घातक, ASRAAM मिसाइल से बढ़ेगी वायुसेना की ताकत

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय वायु सेना अपने MiG-29 फाइटर जेट्स के बेड़े को एडवांस्ड शॉर्ट रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल यानी ASRAAM से लैस करने जा रही है। वायु सेना के इस कदम से विमान की युद्धक क्षमताओं में काफी सुधार होगा। रक्षा मंत्रालय ने 25 मार्च को MiG-29 UPG लड़ाकू विमानों में आधुनिक ASRAAM मिसाइल को इंट्रीग्रेट करने और उसकी टेस्टिंग के अहम प्रस्ताव जारी किया है। इस डील में मिसाइल के साथ लॉन्चर, सपोर्ट सिस्टम और एयरक्रू व ग्राउंड स्टाफ की ट्रेनिंग भी शामिल होगी। भारतीय वायुसेना के पास वर्तमान में 55 से अधिक MiG-29 विमान हैं। ASRAAM के शामिल होने से इन विमानों की डॉगफाइट क्षमता और घातकता में बड़ा इजाफा होगा। यह मिसाइल पुराने सोवियत जमाने के R-73 मिसाइल की जगह लेगी, जिसकी मारक क्षमता केवल 10-15 किमी तक सीमित है। ASRAAM, एक यूरोपीय-डिजाइन वाली शॉर्ट-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल है, जिसे MBDA ने बनाया है। इसे पहले ही स्वदेशी LCA Tejas और Jaguar विमानों पर इंटीग्रेट किया जा चुका है। इसकी बताई गई रेंज 25 किलोमीटर से ज्यादा है, जो सोवियत युग की R-73 मिसाइल की रेंज से दोगुनी से भी ज्यादा है। MiG-29 पर इसी R-73 मिसाइल की जगह ASRAAM को लगाया जाना है। भारतीय वायु सेना के पास अभी 55 से ज्यादा MiG-29 विमान हैं, जिनमें आठ दो-सीटों वाले ट्रेनर वेरिएंट भी शामिल हैं। इस मिसाइल की लंबाई 2.9 मीटर है, इसका वजन 88 किलोग्राम है और यह एक हाई-एक्सप्लोसिव वॉरहेड ले जा सकती है।

2.3 करोड़ रुपये के सोने के साथ तेलंगाना हॉकी के प्रमुख गिरफ्तार

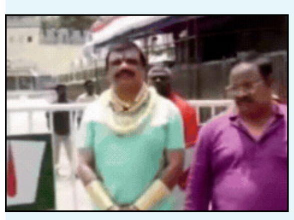

नई दिल्ली/ जीएनएस। तेलंगाना हॉकी एसोसिएशन के अध्यक्ष कोंडा विजय कुमार को बंगारू बाबू और गोल्डमैन के नाम से जाना जाता है, दिल्ली एयरपोर्ट पर इनकम टैक्स अधिकारियों के हत्थे चढ़ गए। वे लगभग 2 किलो सोने के गहनों के साथ यात्रा कर रहे थे। पूछताछ में सोर्स ऑफ फंड्स नहीं बता पाने पर 1.4 किलो सोने के गहने करीब 2.3 करोड़ रुपये मूल्य के जब्त कर लिए गए। विजय कुमार हैदराबाद से दिल्ली जा रहे थे, जहां वे एक स्पोर्ट्स इवेंट में शामिल होने वाले थे। उन्होंने सोना पहना हुआ था, जिसे ष्ठढ्डस्स्न कर्मियों की मदद से रोका गया। वे तेलंगाना ओलंपिक एसोसिएशन के सदस्य भी हैं। घटना गुरुवार शाम की है। दिल्ली पहुंचने पर इनकम टैक्स टीम ने उन्हें रोका और लंबे समय तक पूछताछ की। अधिकारियों ने उनके एसेट्स की डिटेल्स लीं और फाइनेंशियल रिकॉर्ड्स की जांच की। टैक्स कंप्लायंस प्रोब के तहत यह कार्रवाई की गई। सूत्रों के मुताबिक, वे करीब 2 किलो सोना लेकर चल रहे थे, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर 1.4 किलो जब्त कर लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि सोर्स ऑफ फंड्स स्पष्ट न बताने के कारण ही जब्ती हुई। जांच पूरी होने और टैक्स असेसमेंट के बाद जब्त सोने का अंतिम फैसला होगा। चंदन नगर निवासी विजय कुमार होप फाउंडेशन नामक वॉलंटरी ऑर्गनाइजेशन भी चलाते हैं, जो 2016 से सक्रिय है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने छह गोल्ड आर्टिकल्स जब्त किए थे, फिर मैंने तुरंत बिल दिखा दिए तो तीन छोड़ दिए। चुनाव के मौसम की वजह से CISF ने रोका होगा। हैदराबाद में मैंने सोना डिक्लेयर किया था। उन्होंने आगे कहा, मैं शुक्रवार को फंक्शन में शामिल हुआ। मुझे डिटेन नहीं किया गया। मैं 2016 से होप फाउंडेशन चला रहा हूं और कोई डोनेशन नहीं लेता। बाकी आइटम्स के बिल जमा कर दूंगा।

पंजाब में बड़ी साजिश नाकाम, मालेरकोटला से दो आतंकी गिरफ्तार; 15 साल पहले बॉर्डर पार कर आए थे भारत

मालेरकोटला/ जीएनएस। पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक ज्वाइंट ऑपरेशन में मालेरकोटला से दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर पाकिस्तानी नागरिक बताए जा रहे हैं। मालेरकोटला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशों के विरुद्ध युद्ध अभियान के तहत हिरासत में लिए गए एक स्थानीय नशा तस्कर से पूछताछ के दौरान इन दोनों के बारे में जानकारी मिली।

बताया जा रहा है कि उनकी पहचान जम्मू-कश्मीर में सूचीबद्ध दो वांछित आतंकियों से मेल खाती है। हालांकि पुलिस ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन कई पुलिस सूत्रों व थाना संदौड़ के अधीन गांव शेरवानी कोट के निवासियों ने पुलिस कार्रवाई की पुष्टि की है।

दोनों संदिग्धों की पहचान अब्बू गाबा हुैरा व उस्मान के रूप में हुई है। वह लंबे समय से गांव में किराएदार के तौर पर रह रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि वह 15 वर्षों से अधिक समय से भारत के विभिन्न स्थानों पर रह रहे थे व किसी को भी उनकी देश-विरोधी गतिविधियों या उनके भारतीय होने के दावे पर कोई संदेह नहीं था।

माहोराणा स्थित मालेरकोटला की सीआईए विंग की एक टीम ने शेरवानी कोट गांव में छापेमारी कर दोनों को हिरासत में लिया। बाद में उन्हें जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया। गांव के सरपंच सिमरनजीत सिंह ने पुष्टि की कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने गांव में छापा मारकर दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया।

ग्रामीणों को नहीं हुआ शक- गांव में किसी को भी इन दोनों पर शक नहीं था। ग्रामीणों के अनुसार, ये दोनों लंबे समय से गांव में रह रहे थे। मलेरकोटला में महोराणा की ष्टढ्ढ विंग की एक टीम ने शेरवानी कोट गांव में छापा मारा और इन्हें गिरफ्तार किया। मलेरकोटला पुलिस ने हाल ही में देश-विरोधी तत्वों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है।

एक अलग मामले में ष्टढ्ढ और साइबर क्राइम यूनिट ने तीन स्थानीय युवकों फरहान अंजुम, अदनान खान और वारिस अली को धर्म के नाम पर युवकों को कट्टरपंथी बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया।

लीकर चा वाली राजनीति को उबाल का इंतजार, अंधेरे में रोशनी तलाश रहा वाम मोर्चा

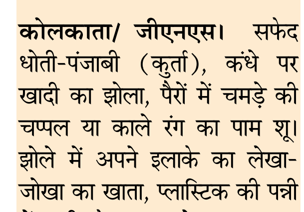

कोलकाता/ जीएनएस। सफेद धोती-पंजाबी (कुर्ता), कंधे पर खादी का झोला, पैरों में चमड़े की चप्पल या काले रंग का पाम शू। झोले में अपने इलाके का लेखा-जोखा का खाता, प्लास्टिक की पन्नी में मूड़ी के साथ छोला (चना)-बादाम और चश्मे का डिब्बा। बंगाल में वामपंथियों की यही पहचान रही है। उनका दिन लीकर चा(बिना दूध वाली चाय) और बेकरी के टोस्ट बिस्कुट से शुरू होती है।

कोलकाता के अलीमुद्दीन स्ट्रीट स्थित माकपा के राज्य मुख्यालय मुजफ्फर अहमद भवन की कैंटीन में एक समय सुबह से शाम तक न जाने कितनी लीटर लीकर चा बना करती थी। पार्टी के नेता चाय और टोस्ट बिस्कुट खाते हुए रणनीतियां तैयार करते थे। वैसे तो पिछले डेढ़ दशक में परिस्थितियां काफी बद गई हैं, लेकिन 2006 के विधानसभा (विस) चुनाव में रिकार्ड 235 सीटें जीतने वाला वाम मोर्चा (वामो) अब सत्ता के गलियारे से कोसों दूर है। अभी की स्थिति यह है कि बंगाल विस में उसका एक भी प्रतिनिधि नहीं है। अब ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस बार वामो वापसी कर पाएगा। इसके जवाब में वामो की अगुआई करने वाली पार्टी माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम कहते हैं।

तलाक के मामलों में विदेशी कोर्ट के फैसले मान्य नहीं, सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसला सुनाया है, जिसमें विदेशी तलाक के फैसलों पर कानूनी स्थिति साफ की गई है। खासकर उन मामलों में जो हिंदू विवाह अधिनियम के तहत आते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के एक फैसले को रद्द कर दिया और कहा कि किसी विदेशी कोर्ट द्वारा ऐसे आधार पर दिया गया तलाक, जिसे भारतीय कानून मान्यता नहीं देता, भारत में वैध या बाध्यकारी नहीं माना जा सकता।

इसके साथ ही, कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए इस जोड़े को अंतिम तलाक दे दिया। यह देखते हुए कि वे लगभग 18 सालों से अलग रह रहे थे। इस मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने की। यह विवाद भारत में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हुई एक शादी से जुड़ा था, जो बाद में अमेरिका और भारत, दोनों जगहों पर तलाक की समानांतर कार्यवाही का विषय बन गया।

पश्चिम एशिया संकट के बीच पायलट संघ ने डीजीसीए से की उड़ानें रद करने की अपील, अनिवार्य बीमा कवरेज की भी रखी मांग

नई दिल्ली/ जीएनएस। एयरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए) ने शनिवार को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से आग्रह किया कि वह पश्चिम एशिया में पहचाने गए उच्च-जोखिम वाले संघर्ष क्षेत्रों में उड़ानें निलंबित कर दे और वैध बीमा कवरेज का खुलासा तथा सत्यापन अनिवार्य करे। डीजीसीए को लिखे पत्र में पायलट एसोसिएशन ने संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में नागरिक एयरलाइनों द्वारा उड़ान संचालित करने से जुड़े जोखिमों को उजागर किया और युद्ध के माहौल में नागरिक विमानों को मार गिराए जाने की पिछली घटनाओं का हवाला दिया।

विमान की सुरक्षा के लिए गंभीर और जोखिम भरा- एएलपीए ने लिखा कि किसी सक्रिय युद्ध क्षेत्र के अंदर या उसके बहुत करीब उड़ानें संचालित करना यात्रियों, उड़ान चालक दल और विमान की सुरक्षा के लिए गंभीर और अस्वीकार्य जोखिम है। एसोसिएशन की सुविचारित राय में, ऐसे निर्णय मानवीय जीवन को जानबूझकर खतरे में डालने के समान हैं।

एसोसिएशन ने यह भी याद दिलाया कि इस मुद्दे को उन्होंने 18 मार्च को भी डीजीसीए के समक्ष उठाया था। इसके जवाब में डीजीसीए ने 19 मार्च को एक तत्काल सुरक्षा परामर्श जारी किया था, जिसमें एयरलाइनों को अपना स्वतंत्र जोखिम मूल्यांकन करने की सलाह दी गई थी।

रूस पर प्रतिबंध, अमेरिका-इजरायल के पास कमी... मेड इन इंडिया रक्षा उपकरणों की बढ़ेगी डिमांड

नई दिल्ली/ जीएनएस। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया (ईरान-इजरायल) तनाव ने वैश्विक रक्षा आपूर्ति श्रृंखला को बुरी तरह प्रभावित किया है। रूस से स्पेयर पार्ट्स और हथियारों की डिलीवरी में देरी, प्रतिबंध और स्टॉक की कमी ने कई देशों को मजबूर कर दिया कि वे वैकल्पिक और भरोसेमंद सप्लायर्स की तलाश करें। माना जा रहा है कि भारत रक्षा क्षेत्र में कई तरह के उपकरणों की आपूर्ति करने वाले एक देश के तौर पर उभर रहा है।

भारत में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेड इन इंडिया' कार्यक्रम को रडार, सर्वेलियंस सिस्टम और एयरोस्पेस क्षेत्र में नई गति दी है। भारत जो खुद दुनिया का एक बड़ा रक्षा उपकरण आयातक रहा है, अब निर्यातक के रूप में भी उभर रहा है। चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत का रक्षा निर्यात बढ़ कर 29 हजार करोड़ रुपये को पार करने की तरफ अग्रसर है।

भारत अब निर्यातक के रूप में भी उभर रहा- इसी क्रम में भारत की पहली एकीकृत निजी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इकाई लगाने वाली प्रौद्योगिकी कंपनी एचएफसीएल लिमिटेड की सब्सिडियरी एचएएसपीएल ने बताया है कि वह भारत की रक्षा जरूरत के लिए पूरी तरह से घरेलू प्रौद्योगिकी पर आधारित रडार प्रौद्योगिकी क्षमता विकसित कर चुकी है। यही नहीं कंपनी के पास कुल 1570 करोड़ रुपये का निर्यात आर्डर भी है जो एयरोस्ट्रक्चर व एयरोनोटिक्स से जुड़ा है।

यह बताता है कि बेहद उच्च रक्षा प्रौद्योगिकी में भी भारतीय तकनीकी को मान्यता मिलने लगी है। एचएफसीएल ने विभिन्न प्रकार के रडार और थर्मल वेपन साइट्स का निर्माण एक ही जगह कर रही है।

एचएफसीएल अकेली नहीं है अन्य भारतीय कंपनियां भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) रडार और सर्वेलियंस सिस्टम का सबसे बड़ा खिलाड़ी है। बीईएल के रोहिणी, अश्लेषा, भरानी जैसे 3ष्ठ सर्वेलियंस रडार, एयर डिफेंस रडार और स्वाथी वेपन लोकेटिंग रडार दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका के देशों को निर्यात हो रहे हैं।

बात सिर्फ पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हुई, मस्क के शामिल होने के दावे को विदेश मंत्रालय ने किया खारिज

नई दिल्ली/ जीएनएस। ईरान युद्ध को लेकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत में दिग्गज कारोबारी एलन मस्क के शामिल होने की खबरों को विदेश मंत्रालय ने खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने कहा कि बातचीत सिर्फ पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हुई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने यह खबर देखी है। 24 मार्च को हुई टेलीफोन पर बातचीत केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बीच हुई थी। जैसा कि पहले भी बताया गया है, इस बातचीत से पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर मिला। उन्होंने आगे कहा, जैसा कि पहले भी कहा गया है कि बातचीत ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान किया।

मस्क के शामिल होने का किया गया था दावा- इससे पहले, कहा गया था कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत में दिग्गज कारोबारी एलन मस्क भी शामिल हुए थे। न्यूयार्क टाइम्स ने शुक्रवार को दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी थी। हालांकि, अखबार ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि मस्क बातचीत में क्यों शामिल हुए थे और उन्होंने कुछ कहा था या नहीं।

ट्रंप और मस्क के बीच हो गई थी अनबन- पिछले साल ट्रंप और मस्क के बीच तब अनबन हो गई थी, जब उन्हों ने सरकार छोड़ दी थी। उन्हें वहां कर्मचारियों की संख्या में कटौती करने का काम सौंपा गया था। वहीं, एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कूटनीतिक बातचीत के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने खुले, सुरक्षित और सुलभ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की जरूरत पर जोर दिया और इस क्षेत्र में तनाव कम करने और शांति बनाए रखने के भारत के रुख को दोहराया।

इंदौर पुलिस कमिश्नर ने बेहतर पुलिसिंग को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक, डायल-112 और नशे के खिलाफ सख्त निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में अपराधों पर नियंत्रण और पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने 27 मार्च 2026 को पुलिस अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। यह बैठक पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई, जिसमें अति पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) श्री अमित सिंह, अति पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह सहित सभी पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पुलिस कमिश्नर ने शहर में चल रही पुलिस कार्यवाहियों की गहन समीक्षा की और विशेष रूप से अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम, बीट और माइक्रो बीट सिस्टम की कार्यप्रणाली, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण और डायल-112 सेवा के बेहतर संचालन पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी अप्रिय स्थिति या घटना के दौरान आमजन को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्रों में संचालित एफआरवी वाहनों में पर्याप्त पुलिस स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की जाए और उनकी नियमित निगरानी थाना प्रभारी द्वारा की जाए। साथ ही, वरिष्ठ अधिकारियों को भी समय-समय पर इनकी समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। एफआरवी वाहनों द्वारा निरंतर पेट्रोलिंग की जाए और किसी भी घटना की सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

पुलिस कमिश्नर ने यह भी निर्देशित किया कि एफआरवी वाहनों में उपलब्ध सभी आवश्यक उपकरणों की नियमित जांच की जाए और उनकी कार्यक्षमता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, हर कार्रवाई के दौरान बॉडी वॉर्न कैमरा और डैशबोर्ड कैमरों का अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाए, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे।

बैठक में पुलिसिंग को और अधिक मजबूत बनाने के लिए बीट और माइक्रो बीट सिस्टम को सक्रिय करने, पुलिस बल की नियमित मॉनिटरिंग करने और फील्ड में आने वाली समस्याओं को समझकर समाधान करने पर भी जोर दिया गया। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने और एनडीपीएस एक्ट के आदतन अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अलावा, आमजन की शिकायतों को प्राथमिकता से सुनने और उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए। सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए मोहल्ला समितियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित करने और महिला सुरक्षा, यातायात और साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान डायल-112 टीम द्वारा थाना प्रभारियों को एफआरवी संचालन से संबंधित तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे आपातकालीन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

इंदौर आबकारी में अभूतपूर्व वृद्धि, 8 चरणों में 2001 करोड़ का राजस्व

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुशासन, पारदर्शिता एवं राजस्व सुदृढ़ीकरण के विज़न के अनुरूप, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में इंदौर आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2026ङ्क27 की ई-टेंडर प्रक्रिया में उल्लेखनीय सफलता दर्ज की गई है। अब तक संपन्न प्रथम से अष्टम चरण में कुल 59 समूहों की 173 दुकानों में से 47 समूहों की 156 दुकानों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया जा चुका है, जिनसे लगभग 2001.92 करोड़ का उच्चतम राजस्व प्राप्त हुआ है। इन समूहों के लिए निर्धारित कुल आरक्षित मूल्य 1844.11 करोड़ के विरुद्ध यह राशि लगभग 157.80 करोड़ अधिक है, जो कि लगभग 8.56त्न वृद्धि को दर्शाती है। वहीं, वर्ष 2025ङ्क26 के परिगणित वार्षिक मूल्य 1536.76 करोड़ की तुलना में यह वृद्धि लगभग 465.15 करोड़ (लगभग 30.27त्न) अधिक है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा निर्धारित लगभग 20त्न राजस्व वृद्धि के लक्ष्य के विरुद्ध इंदौर जिले द्वारा प्राप्त 30त्न से अधिक वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार की नीतियाँ एवं विज़न जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित हो रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप इंदौर जिला पूरे मध्यप्रदेश में राजस्व वृद्धि के मामले में शीर्ष स्थान पर रहा है7 पुनर्गठित समूहों में रिकॉर्ड वृद्धि विभागीय विश्लेषण के अनुसार, पुनर्गठित समूहों में यथावत समूहों की तुलना में अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है, जो कलेक्टर के संरचनात्मक सुधार एवं संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के विज़न की सफलता को दर्शाता है। विशेष रूप से शीर्ष 5 समूहों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई– स्कीम नं. 54 समूह- 134.95 करोड़ के विरुद्ध 153.33 करोड़ एम.आई.जी. समूह- 98.03 करोड़ के विरुद्ध 111.11 करोड़ एम.आर.-9 समूह- 130.09 करोड़ के विरुद्ध 150.20 करोड़ चंद्रगुप्त चौराहा (एम.आर.-10)- 99.38 करोड़ के विरुद्ध 113.57 करोड़ मांगलिया समूह- 41.94 करोड़ के विरुद्ध 52.83 करोड़ आदी।

इंदौर में आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में होंगे शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 मार्च को इंदौर प्रवास पर रहेंगे। वे संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत दशहरा मैदान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संकल्प से समाधान अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं के तहत लाभांवित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर शहर को पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण सहित अनेक विकास कार्यों की महत्वपूर्ण सौगात भी देंगे। इससे शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नर्मदा पेयजल परियोजना के चौथे चरण का भूमि पूजन करेंगे। इंदौर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर संचालित किए गए संकल्प से समाधान अभियान के तहत एक लाख 44 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। दशहरा मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा विकासात्मक गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसमें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हितग्राहियों एवं नागरिकों की उपस्थिति रहेगी।

इंदौर जिले में संकल्प से समाधान अभियान का सफलतापूर्वक प्रभावी क्रियान्वयन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुशासन एंव स्वराज हेतु प्रतिबद्ध विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य अंतर्गत शासन के समस्त विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और सेवाओं का पूरा लाभ ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों तथा तहसील व जिला स्तर पर पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने के लिए 12 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक संकल्प से समाधान अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत आम नागरिकों द्वारा अपनी समस्याएं सीधी प्रशासन के समक्ष रखी गईं। अभियान के तहत व्यापक स्तर पर शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में समस्याएं केवल सुनी ही नही गई, बल्कि स्थल पर ही उनके त्वरित समाधान के लिए ठोस कार्यवाही सुनिश्चित की गई। इसी स्पष्ट सोच एवं संवेदनशील पहल ने जनता के विश्वास को शासन के प्रति और अधिक सुदृढ़ किया है। यह अभियान 4 चरणों में संचालित किया गया। इसके अतंर्गत विभिन्न विभागों की 106 सेवाओं को शामिल किया गया। प्रथम चरण में ग्राम पंचायत, नगर परिषद, एवं नगर पालिक निगम क्षेत्र अतंर्गत 539 कैम्पों का आयोजन किया जाकर संकल्प से समाधान अभियान के तहत व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आवेदन संग्रहण का कार्य किया गया। तत्पश्चात ब्लाक एवं क्लस्टर लेवल पर 106 शिविर आयोजित किए जाकर आवेदनों के निराकरण की कार्यवाही की गई। इस अभियान के तहत इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार 912 आवेदन प्राप्त हुए और इन सभी आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। राजस्व विभाग ने 47 हजार 887, नगरीय प्रशासन विभाग ने 19 हजार 173, स्वास्थ्य विभाग ने 10 हजार 516 एवं परिवहन विभाग ने 20 हजार 283 और इसी प्रकार इंदौर के अन्य सभी विभागों के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करते हुए लक्ष्य को पूर्ण कर संकल्प से समाधान अभियान को गति प्रदान की गई। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं बल्कि जनविश्वास और प्रशासन की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। इस अभियान के तहत न केवल हितग्राहीमूलक योजनाओं में प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया गया, बल्कि निःशुल्क उपचार एवं गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान हेतु विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भी किया गया।

महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने इंदौर पुलिस की विशेष कार्यशाला, जागरूकता के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 28 मार्च 2026 को शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल गोपाल मंदिर स्थित गीता भवन में पर्यटन विभाग के सहयोग से आयोजित हुआ। कार्यक्रम पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ।

कार्यशाला में पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति रही, वहीं अति पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-04 श्री आनंद कलादगी, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) श्री प्रकाशचंद परिहार, अति पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा शाखा) सुश्री संध्या राय सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ, एनजीओ प्रतिनिधि और सामाजिक रूप से सक्रिय महिलाएं शामिल हुईं।

कार्यक्रम की शुरुआत अति पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा) श्रीमती संध्या राय के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान महिला अपराधों, उनकी रोकथाम, बाल विवाह, सामाजिक कुरीतियों और महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि इंदौर पुलिस महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने सृजन, अभिमन्यु और सम्मान जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए बताया कि इन पहलों के माध्यम से हजारों बालिकाओं को जागरूक और सशक्त बनाया गया है। सृजन अभियान के तहत 12 हजार से अधिक किशोरियों को जोड़ा गया है, जो व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से पुलिस से जुड़कर मार्गदर्शन प्राप्त कर रही हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि मुस्कान अभियान के तहत पिछले एक वर्ष में करीब 1.54 लाख महिलाओं को जागरूक किया गया है। इसके साथ ही हर थाना स्तर पर ऊर्जा डेस्क, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, वी केयर फॉर यू, महिला हेल्प डेस्क और महिला पीसीआर जैसी सेवाएं लगातार सक्रिय हैं।

कार्यशाला में आईआईएम इंदौर की श्रीमती सानू मेहता ने महिलाओं के लिए वित्तीय प्रबंधन और फाइनेंशियल लिटरेसी पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। वहीं लॉ कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री निर्मल पगारिया ने महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों और पीड़ित महिलाओं को मिलने वाली विधिक सहायता के बारे में बताया। इसके अलावा अन्य विशेषज्ञों ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के दौरान एनजीओ अपराजिता और आरंभ द्वारा सुरक्षित पर्यटन और महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही, प्रशिक्षित बालिकाओं ने सेल्फ डिफेंस की तकनीकों का प्रभावशाली प्रदर्शन कर आत्मरक्षा के महत्व को दर्शाया।

कार्यशाला में उपस्थित महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं, सरकारी योजनाओं और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी अधिकारों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महेंद्र पाठक, अपराजिता एनजीओ की सुश्री रेखा जी और थाना छत्रीपुरा की उप निरीक्षक शीतू जरिया को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी से ही इसे प्रभावी बनाया जा सकता है।

इंदौर में ड्रग्स तस्करी पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, ब्राउन शुगर और MD ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस कमिश्नरेट की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर क्राइम ब्रांच और विभिन्न थाना पुलिस की टीमों द्वारा विशेष अभियान चलाकर ड्रग्स तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच ने थाना एरोड्रम और थाना एमजी रोड पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ब्राउन शुगर और एमडी ड्रग्स बरामद की है।

पहली कार्रवाई में क्राइम ब्रांच और थाना एरोड्रम पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर केदार नगर क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से 12.82 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 20 हजार रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम दिलीप सिंह बघेल, उम्र 42 वर्ष, निवासी शुभम नगर इंदौर बताया। उसके खिलाफ थाना एरोड्रम में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दूसरी कार्रवाई में क्राइम ब्रांच और थाना एमजी रोड पुलिस ने संयुक्त रूप से एक अन्य संदिग्ध को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 6.55 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई, जिसकी कीमत लगभग 60 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी ने अपना नाम मोहम्मद इकबाल, उम्र 21 वर्ष, निवासी रानीपुरा दौलतगंज इंदौर बताया। उसके खिलाफ थाना एमजी रोड में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 12.82 ग्राम ब्राउन शुगर और 6.55 ग्राम एमडी ड्रग्स, जिसकी कुल कीमत करीब 1 लाख 80 हजार रुपए है, जब्त की है। फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और ड्रग्स के स्रोत तथा इससे जुड़े नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि शहर में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर में 'लॉन्चपैडः इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर का करेंगे शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 29 मार्च को इंदौर में विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान वे सिंहासा आईटी पार्क में स्थापित ÷लॉन्चपैड - इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर÷ का शुभारंभ करेंगे, दशहरा मैदान में आयोजित ÷संकल्प से समाधान अभियान÷ कार्यक्रम में भाग लेंगे और अमृत 2.0 योजना में विभिन्न जल आपूर्ति परियोजनाओं का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण भी करेंगे।

सिंहासा आईटी पार्क में स्थापित ÷लॉन्चपैड - इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर÷ की स्थापना आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन (आईआईटी इंदौर का टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन एवं रिसर्च पार्क) तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) के संयुक्त सहयोग से की गई है। इस केंद्र का उद्देश्य डीप-टेक नवाचार को प्रोत्साहित करना, उच्च प्रभाव वाले स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना, उन्नत विनिर्माण तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में प्रदेश को सशक्त बनाना और उद्योग एवं अकादमिक जगत के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव लॉन्चपैड सेंटर का अवलोकन करेंगे तथा यहां संचालित नवाचार एवं स्टार्टअप गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त करेंगे। यह केंद्र मध्यप्रदेश को डीप-टेक नवाचार आधारित विकास एवं उद्यमिता का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संकल्प से समाधान÷ अभियान से मजबूत हुआ जनविश्वास- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दशहरा मैदान में ÷संकल्प से समाधान अभियान÷ के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर हितलाभ वितरण करेंगे। प्रदेश में 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक संचालित इस अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में 1 लाख 44 हजार 912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। अभियान चार चरणों में संचालित हुआ, जिसमें ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक शिविर आयोजित कर विभिन्न विभागों की 100 से अधिक सेवाओं को शामिल किया गया।समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित होने से शासन के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

अमृत 2.0 के तहत जल आपूर्ति को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नर्मदा जल प्रदाय योजना के चौथे चरण का भूमि-पूजन करेंगे। इस परियोजना से शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ किया जाएगा तथा वर्ष

मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा 20 एमएलडी एसटीपी, सिरपुर तालाब-इंदौर का लोकार्पण भी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम द्वारा अपने स्वयं के स्ववित्तीय संसाधनों से रूपये 62.72 करोड़ की लागत से निर्मित यह परियोजना नगर निगम की प्रतिबद्धता, क्षमता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसके दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट उदाहरण है। आज सिरपुर तालाब के संरक्षण एवं पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल का लोकार्पण किया जा रहा है, जो विशेष रूप से विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 04 के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है। विगत वर्षों में आसपास की कॉलोनियों से निकलने वाला अशोधित सीवेज तालाब में पहुंचकर उसे प्रदूषित कर रहा था, जिसे रोकने हेतु 10 प्रमुख सीवर आउटफॉल को ट्रैपकर 20 एमएलडी क्षमता का आधुनिक एसटीपी स्थापित किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत लगभग 8.5 किमी सीवर लाईन एवं 5 किमी ट्रीटेड वाटर रीयूज लाईन का निर्माण किया गया है, साथ ही जल वितरण हेतु 0.5 एमएल क्षमता का ओवरहेड टैंक भी स्थापित किया गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से अब तालाब को सीवर मुक्त बनाते हुए जल की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित किया जाएगा तथा उपचारित जल का उपयोग शहर के लगभग 25 प्रमुख उद्यानों सहित हरित क्षेत्रों, अग्निशमन एवं अन्य कार्यों में किया जाएगा।

ऑपरेशन FACE के तहत इंदौर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 84 फर्जी सिम एक्टिवेट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर क्राइम ब्रांच ने ऑपरेशन F.A.C.E. के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने एक ही फोटो का उपयोग कर करीब 84 फर्जी सिम कार्ड एक्टिवेट किए थे। यह कार्रवाई राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में की गई, जिसमें फर्जी सिम एक्टिवेशन और POS एजेंटों की अनियमितताओं पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन और पुलिस उपायुक्त अपराध के निर्देशन में गठित टीम ने जांच के दौरान ऐसे तीन संदिग्ध FACE चिन्हित किए, जिनमें से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने बड़ी टेलीकॉम कंपनियों जैसे VI, Airtel और BSNL के सिम कार्ड फर्जी तरीके से एक्टिवेट किए थे।

पकड़े गए आरोपी की पहचान विपिन मगरदे, निवासी बैतूल (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस जांच में यह सामने आया कि आरोपी ने सिम प्रोवाइडर कंपनियों के टारगेट पूरे करने पर मिलने वाले बोनस के लालच में यह फर्जीवाड़ा किया। उसने अलग-अलग लोगों के आधार कार्ड का उपयोग करते हुए सिम एक्टिवेट किए और POS एजेंट के रूप में अपनी बहन और दोस्त के नाम का इस्तेमाल भी उनकी जानकारी के बिना किया।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी एक ही फोटो का उपयोग कर कई सिम कार्ड एक्टिवेट करता था और टारगेट पूरा होने के बाद उन सिम कार्ड को डिएक्टिवेट कर देता था। टेलीकॉम कंपनियों से प्राप्त CAF और अन्य दस्तावेजों की जांच में इस पूरे फर्जीवाड़े की पुष्टि हुई।

क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 40/26 के तहत दूरसंचार अधिनियम 2023 की धाराएं 42(3)(e), 42(6), भारतीय दंड संहिता की धारा 420 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2008 की धारा 66सी के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

अमृत -2.0 के अतंर्गत जल आपूर्ति योजनाओं का भूमिपूजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत विभिन्न जल आपूर्ति योजनाओं का भूमि पूजन भी करेंगे।

अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नगर पालिक निगम, इन्दौर द्वारा जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़, आधुनिक एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। यह केवल आधारभूत संरचना का विकास नहीं है, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, सुविधा और बेहतर जीवन स्तर से जुड़ा एक व्यापक प्रयास है, जिसमें इन्दौर शहर की भविष्य की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुये अतिरिक्त 400 एम.एल.डी. जलापूर्ति सुनिश्चित की जायेगी।

इन्दौर शहर की जल प्रदाय व्यवस्था नर्मदा नदी पर आधारित है। जिसमें लगभग 70 कि.मी. दूर से पंपिंग कर शहर को जल प्रदाय किया जाता है। नर्मदा पर आधारित जल प्रदाय योजना का प्रथम चरण वर्ष 1978 तथा द्वितीय वर्ष 1992 में क्रियान्वयन किया गया जिसमें 90-90 एम.एल.डी. चरणबद्ध रूप से कुल 180 एम.एल.डी. इन्दौर शहर को जल प्रदाय किया गया। बढ़ती हुई जनसंख्या एवं पानी की आवश्यकता के दृष्टिगत वर्ष 2006-2010 के दौरान प्रोजेक्ट उदय के अंतर्गत 360 एम.एल.डी. क्षमता के नर्मदा तृतीय चरण की योजना का क्रियान्वयन किया गया है, यह योजना वर्ष 2024 तक के लिए है। वर्तमान में नर्मदा प्रथम, द्वितीय चरण से 180 एम.एल.डी. एवं तृतीय चरण से 360 एम.एल.डी. पानी, इस प्रकार वर्ष 2024 तक की जनसंख्या के लिए कुल 540 एम.एल.डी. पानी पम्प कर शहर को प्रदाय किये जाने की व्यवस्था है। वर्ष 2014 में इन्दौर की नगरीय सीमा क्षेत्र को बढ़ाकर 29 गांव भी इन्दौर नगर निगम सीमा में सम्मिलित किए गए हैं। जिनमें तेजी से विकास हो रहा है एवं इन क्षेत्रों के सम्मिलित होने से इन्दौर की नगरीय सीमा लगभग दुगुनी हो गई है। इन्दौर शहर की वर्ष 2040 में आंकलित जनसंख्या 58.70 लाख हेतु शहर में 1209 एम.एल.डी. पानी की आवश्यकता होगी। अमृत 2.0 योजना कार्यों के क्रियान्वयन के पश्चात शहरीय जलापूर्ति वर्तमान 580 एम.एल.डी. से बढ़कर 885 एम.एल.डी. हो जायेगी।

जिन कार्यों का भूमि पूजन किया जायेगा, उसमें पैकेज-2 के अंतर्गत वांचू पाईन्ट से राऊ सर्कल तक 2 हजार 235 मि.मी. व्यास की लगभग 39 किलोमीटर लंबी पाईप लाईन बिछाने का कार्य किया जाएगा, जो शहर के विभिन्न हिस्सों तक जल को सुचारू रूप से पहुंचाने का कार्य करेंगी। इसके साथ ही तीन प्रमुख स्थानों पर लगभग 2 हजार 870 मीटर लंबाई में आधुनिक तकनीक से टनल निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त राऊ सर्कल पर क्लोरिनेशन सिस्टम की स्थापना कर जल की गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जायेगा, इस पैकेज की लागत रूपये 448.23 करोड़ है तथा कार्य 30 माह में पूर्ण किया जायेगा।

इसी प्रकार पैकेज-3 के अंतर्गत 20 नए ओवरहेड टैंक,जिनकी क्षमता 15 से 35 लाख लीटर तक होगी, का निर्माण किया जाएगा तथा 29 मौजूदा टैंकों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इन टैंकों को जोड़ने के लिए लगभग 27.4 किलोमीटर लंबी फीडर पाइप लाईन तथा 4.7 किलोमीटर ग्रेविटी मेन लाइन बिछाई जाएगी। साथ ही लगभग 685 किलोमीटर की डिस्ट्रीब्यूशन लाईन बिछाने का कार्य किया जाएगा। इस पैकेज के अंतर्गत लगभग एक लाख 26 हजार घरेलू जल संयोजन दिये जाने का कार्य किया जायेगा तथा एक लाख 8 हजार से अधिक वाटर मीटर स्थापित किए जाएंगे, जिससे 24×7 दबावयुक्त जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस पैकेज की लागत 410.50 करोड़ रुपये है तथा कार्य 36 माह में पूर्ण किया जाएगा। पैकेज-4 के अंतर्गत भी 20 नए ओवरहेड टैंक का निर्माण तथा 46 मौजूदा टैंकों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा।

काले सोने का तौल शुरू, 8 गांव के 361 किसानों की तुली अफीम

पहले दिन प्रथम खंड से शुरू हुई तुलाई, द्वितीय और तृतीय खंड का आगामी दिनों में होगा तौल शुरू

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अफीम का तौल शनिवार, 28 मार्च से शुरू हो गया है। इसी के साथ अफीम काश्तकारों में भी खुशी का माहौल है। किसान तौल के इंतजार में थे। पहले दिन प्रथम खंड में अफीम तौल शुरू कराया गया है। प्रथम खंड के 8 गांवों के 361 किसानों को पहले दिन बुलाया गया। शनिवार अलसुबह से ही अफीम तुलाई के लिए चहल पहल रही। किसानों ने बारी-बारी से अपनी अफीम कुंडों से निकालकर कंटेनर में भरवाई। अफीम तौल के लिए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा टेंट, कूलर और ठंडे पानी की व्यवस्था करवाई गई है।

गौरतलब है कि मंदसौर, नीमच और जावरा क्षेत्र में अफीम काश्त होती है। इनमें कुल आठ केंद्र बनाए गए हैं। मंदसौर में प्रथम, द्वितीय और तृतीय खंड हैं तथा एक खंड सीतामऊ में है। जानकारी के अनुसार मंदसौर जिले में कुल 6400 से ज्यादा अफीम उत्पादक किसान हैं। अफीम को काला सोना भी कहा जाता है। काले सोने के नाम से प्रसिद्ध अफीम को लेकर मंदसौर जिला प्रदेश ही नहीं देश-विदेश में ख्याति प्राप्त है। बताया गया है कि सीपीएस पद्धति वाले किसानों की अफीम तौल बाद में शुरू होगी, जिसका तारीखवार अलग निर्धारित की गई है। अफीम तौल 28 मार्च से शुरू होकर 10 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान सभी खंडों से बारी-बारी से चिन्हित गांवों के अफीम काश्तकारों को सूचना देकर तौल हेतु बुलाया जाएगा।

गाढ़ता चेक की गई, सेम्पल नीमच भेजे जाएंगे- अफीम गोदाम स्थित नारकोटिक्स कार्यालय में किसानों की अफीम की गाढ़ता चेक की गई। किसानों की मौजूदगी में सेम्पल भी लिए गए। ये सेम्पल नीमच स्थित ओपियम फेक्टरी की लेब में भेजे जाएंगे। बाद में किसानों को अफीम का भुगतान किया जाएगा।

अपने-अपने कुंडों के साथ ट्रेक्टर से पहुंचे किसान- गौतरलब है कि 28 मार्च को बुलाए गए किसानों की अफीम तुलाई होना थी। इसके चलते दलौदा तहसील से संबधित 8 गांवों के किसानों ने मुखिया के साथ अफीम कुंडों सहित मंदसौर पहुंच गए थे। रात्रि में किसानों ने अफीम की सुरक्षा की। इसके अलावा अनेक किसान शनिवार सुबह तुलाई केंद्र पर पहुंचे।

हर वर्ष अक्सर होती रही है कुंडा लूटने की वारदात- उल्लेखनीय है कि अफीम फसल में लुनाई व चिराई की प्रक्रिया के बाद अफीम एकत्र की जाती है। एकत्र अफीम को किसान कुंडे में भरकर गोपनीय तरीके से रखते हैं और उसकी सुरक्षा भी की जाती है। जब तक अफीम तुलाई नहीं हो जाती, तब तक किसानों को डर सताता रहता है। पूर्व के वर्षों में नजर डालें तो अफीम कुंडों को लूटने की वारदातें होती रही है। पिछले वर्ष ही मल्हारगढ़ तहसील के गांव लसुड़िया राठौड़ में बुजुर्ग महिला की हत्या कर आरोपी अफीम ले गए थे।

रंगमंच केवल मनोरंजन नहीं, सामाजिक बदलाव का सशक्त माध्यम

विश्व रंगमंच दिवस पर नुक्कड़ सभा में कला, संविधान और जन सरोकारों पर वक्ताओं के विचार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिर्फ अधिकार मांगने से देश नहीं चलता, कर्तव्यों को निभाना भी उतना ही जरूरी है। संविधान का सम्मान व्यवहार में दिखना चाहिए। यह बात प्रगतिशील लेखक और सामाजिक चिंतक असअद अंसारी ने विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर तेलिया टैंक पर आयोजित नुक्कड़ सभा में कही।उन्होंने कहा कि 27 मार्च को मनाया जाने वाला यह दिवस केवल सांस्कृतिक अवसर नहीं, बल्कि सच बोलने की परंपरा को याद करने का दिन है। भारतीय संदर्भ में रंगमंच को जनता के संघर्षों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन (ईप्टा) ने किया है, जिसने इसे सामाजिक बदलाव का माध्यम बनाया।

सभा में फिल्म डायरेक्टर, लेखक एवं कवि मनी चौहान ने कहा कि थियेटर को केवल फिल्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक जीवंत मंचीय कला है, जिसमें समाज अपने ही प्रतिबिंब को देखता है। सांस्कृतिकर्मी नरेंद्र कुमार त्रिवेदी सूत्रधार ने कहा कि रंगमंच समाज का आईना है और युवाओं को इससे जोड़कर इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है। ईप्टा सचिव हूर बानो सैफी ने संचालन करते हुए कहा कि संविधान अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी स्पष्ट दस्तावेज़ है। अधिकार और कर्तव्य दोनों का संतुलन ही लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। ईप्टा उपाध्यक्ष हेमन्त कछावा ने कहा कि संगठन का गौरवशाली इतिहास जन मुद्दों को नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से उठाने की प्रेरणा देता है। अभय मेहता ने भी विचार व्यक्त किए। इकाई अध्यक्ष शोभा कश्यप ने कहा कि संविधान हमें समानता, स्वतंत्रता और शिक्षा जैसे अधिकार देता है, साथ ही कानून पालन और भाईचारा बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। कार्यक्रम के प्रारंभ में जनगीत गायन हुआ, जिसमें नन्द किशोर राठौर, ललिता मेहता, राजेश मंडवारिया,संतोष परसाई सहित अनेक लोगों ने सहभागिता की। संचालन हूर बानो सैफी ने किया और आभार प्रदर्शन डी.पी. जोशी ने किया।

करोड़ों की सरकारी जमीन पर भू-माफिया की नजर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणपति नगर क्षेत्र में करोड़ों रुपये की शासकीय भूमि अब दलालों और अतिक्रमणकारियों के निशाने पर है। यहाँ सरकारी जमीन को बचाने वाले ही भू-माफिया के दुश्मन बन रहे हैं, जबकि यह जिम्मेदारी प्रशासन की है। ताजा घटनाक्रम में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी चुन्नीलाल जी ने जान जोखिम में डालकर अतिक्रमण रुकवाया, लेकिन मौके पर पुलिस का न पहुंचना कई सवाल खड़े करता है।

इस सम्बन्ध में शासकीय भूमि को अतिक्रमण से बचाने वाले रिटायर पुलिस कर्मी चुन्नीलाल घोड़ावर ने बताया कि एक ओर सरकार सरकारी जमीनों को सुरक्षित रखने के दावे करती है, वहीं दूसरी ओर वार्ड नं. 8 गणपति नगर में भू-माफिया के हौसले बुलंद हैं। यहाँ खुलेआम शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है, जिसे रोकने पर रहवासियों को दलालों के कोपभाजन का शिकार होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि सूचना मिलने के बाद भी प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है।

क्षेत्र में चर्चा है कि बिना पटवारी की मिलीभगत के यह खेल मुमकिन नहीं है। भू-माफिया ने पहले बगीचे लगाकर जमीन घेरी और अब पक्के निर्माण की फिराक में हैं। यदि समय रहते प्रशासन ने सीमांकन कर जमीन को कब्जे में नहीं लिया, तो भविष्य में यहाँ बड़ा दंगा या अप्रिय घटना घट सकती है। आखिर प्रशासन अपनी करोड़ों की संपत्ति को बचाने में रुचि क्यों नहीं दिखा रहा है?

जनहित सर्वोपरि : नगरपालिका के 500 करोड़ के बजट बैठक पर कांग्रेस की कड़ी नजर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर नगर पालिका के लगभग 500 करोड़ रुपये के आगामी बजट को लेकर आज कांग्रेस पार्षद दल की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की मुख्य अगुवाई जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने की, जिसमें विधायक विपिन जैन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए आम जनता की मूलभूत सुविधाओं–पेयजल, स्वच्छता, सड़क, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सेवाओं–को प्राथमिकता दिलाने पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक में शहर की सड़कों की खराब स्थिति, अधूरे विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने कहा कि बजट राशि के उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार की गुंजाइश न रहे। कांग्रेस इन मुद्दों पर सतत निगरानी रखेगी और आवश्यकता पड़ने पर जनहित में आवाज बुलंद करेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने यह भी कहा कि नगरपालिका में भाजपा की परिषद होने के बावजूद कांग्रेस जनहित के मुद्दों पर मजबूती से अपनी आवाज उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि बजट केवल कागजों तक सीमित न रहकर वास्तव में जनता की जरूरतों के अनुरूप लागू हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस हर स्तर पर जवाबदेही तय करने के लिए प्रतिबद्ध है और मंदसौर के समग्र विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। विधायक विपिन जैन ने भी जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया और कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हनीफ शेख, शहर ब्लॉक अध्यक्ष इष्टा भाचावत, नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, तरुण शर्मा सहित कांग्रेस पार्षदगण उपस्थित रहे।

बुज़ुर्ग के मर्डर में उसके सगे भाई के दो बेटे और दामाद निकले हत्यारे

पुश्तैनी सात आरी जमीन का था विवाद, दोनों भाई गिरफ्तार, उनका जीजा फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाने के तहत साखतली गांव निवासी बुजुर्ग व्यक्ति शंकरलाल पाटीदार की हत्या के मामले में पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़कर हत्यारों को अपने गिरेबान में ले लिया है। इसका खुलासा शनिवार दोपहर में कंट्रोल रूम में प्रेसवार्ता के माध्यम से किया गया। हत्यारे और कोई नहीं मृतक शंकरलाल के सगे भाई के दोनों बेटे और दामाद रहे हैं। तीनों जीजा-सालों ने मिलकर बुजुर्ग की हत्या की योजना बनाई और मौका पाकर कुल्हाड़ी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। हत्या की वजह मात्र सात आरी जमीन बनी है, जिसका विवाद लम्बे समय से मृतक और हत्यारों के बीच चला आ रहा था। मामले में दोनों सगे भाई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकि उनका जीजा फरार है। आरोपी मृतक के छोटे भाई के बेटे हैं, जो रिश्ते में भतीजे हैं और फरार आरोपी मृतक के भाई का दामाद है। घटना के एक दिन पूर्व मृतक के लड़के श्यामलाल को फरार आरोपी अर्जुन ने फोन लगाकर धमकी दी थी। आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

कंट्रोल रूम पर प्रेस वार्ता में गरोठ एएसपी हेमलता कुरील, सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति एवं सीतामऊ थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश प्रजापति मौजूद रहे। यहां बताया गया कि 27 मार्च को जीवन पिता शंकरलाल पाटीदार 26 वर्ष ने सूचना दी थी। बताया कि साखतली और बिलांत्री गांव के बीच कच्चे रास्ते पर उनका खेत है। मेरे पिता शंकरलाल पाटीदार 26 मार्च को रात्रि में 8 बजे के आसपास साईकिल से खेत पर सोने गए थे। मेरी मां घर पर ही थी। 27 मार्च की सुबह गांव के कन्हैयालाल पाटीदार ने बताया कि उसके पिता शंकरलाल साईकिल सहित रोड किनारे गिरे हुए हैं। जाकर देखा तो पिता लहुलूहान होकर मृत थे। फरियादी जीवन ने बताया कि मेरे पिता शंकरलाल और व उनके भतीजे बालेश्वर पिता अनोखीलाल पाटीदार के बीच गांव से लगी पुश्तैनी 07 आरी जमीन का विवाद चल रहा है। मामले में पुलिस ने शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। संदेहियों की तलाश की गई और उनकी धरपकड़ कर कड़ाई से पूछताछ की गई। इस पर आरोपी बालेश्वर पिता अनोखीलाल पाटीदार एवं उसका भाई नानालाल पाटीदार निवासी साखतली ने हत्या करना स्वीकार किया। दोनों ने अपने जीजा नाटाराम गांव निवासी अर्जुन पिता रामनिवास पाटीदार के साथ योजना बनाकर शंकरलाल की हत्या को अंजाम दिया। मामले में कुल्हाड़ी व बाईक जब्ती में ली गई है तथा फरार आरोपी अर्जुन की तलाश की जा रही है। इस कार्य में सीतामऊ थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति एवं उपनिरीक्षक ओमप्रकाश राठौर सहित टीम का सराहनीय योगदान रहा है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर पुलिस की साइक्लोथोन रैली; एएसपी ने साइकिल चलाकर दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के पावन अवसर पर आज, 28 मार्च को नीमच पुलिस द्वारा जिला स्तर पर एक भव्य साइक्लोथोन रैली का सफल आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन में आयोजित इस रैली का मुख्य उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करना रहा।

एएसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना- रैली का शुभारंभ सीआरपीएफ नीमच स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल गेट से हुआ। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विशेष बात यह रही कि श्री सिसोदिया ने न केवल रैली की शुरुआत की, बल्कि स्वयं भी साइकिल चलाकर पूरी रैली में शामिल हुए और युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी रैली - साइकिल सवारों का यह जत्था देशभक्ति के नारों और उत्साह के साथ शहर के मुख्य मार्गों से गुजरा। रैली पटेल गेट से प्रारंभ होकर चौपड़ा चौराहा, विजय टॉकीज चौराहा, कमल चौक, फव्वारा चौक होते हुए अंततः पुलिस कंट्रोल रूम पर समाप्त हुई।

पुलिस अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी- आयोजन में पुलिस महकमे के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली में एएसपी नवल सिंह सिसोदिया के साथ नीमच केंट थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ शर्मा, सूबेदार सुरेश सिसोदिया, रीडर-टू-एसपी उप निरीक्षक शिशुपाल सिंह गौड़ सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

पुलिस प्रशासन के अनुसार, इस साइक्लोथोन के माध्यम से दो प्रमुख संदेश देने का प्रयास किया गया है। पहला, युवाओं और आम नागरिकों को शारीरिक फिटनेस और बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करना। दूसरा, सरदार पटेल के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के सपने को याद करते हुए राष्ट्रीय एकता का प्रसार करना।

सीबीएसई स्कूलों में एनसीईआरटी लागू न करना प्रशासन की गंभीर लापरवाही - ग्राहक पंचायत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सीबीएसई विद्यालयों में एनसीईआरटी का शासकीय पाठ्यक्रम लागू करने जैसे जनहित के महत्वपूर्ण विषय पर जिला प्रशासन की लगातार अनदेखी अब गंभीर प्रश्न खड़े कर रही है। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा पिछले दो वर्षों से लगातार ज्ञापन, निवेदन एवं जनसुनवाई के माध्यम से इस मुद्दे को उठाया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस पर पूरी तरह उदासीन बने हुए हैं।

यह तथ्य अत्यंत चिंताजनक है कि भिंड, जबलपुर और मुरैना जैसे जिलों में यह व्यवस्था सफलतापूर्वक लागू हो चुकी है, लेकिन मंदसौर में प्रशासनिक इच्छाशक्ति के अभाव के चलते इसे जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है। नवंबर से 24 मार्च तक 8 बार ज्ञापन दिए जाने के बावजूद भी कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जाना यह दर्शाता है कि प्रशासन आम जनता के हितों के प्रति कितना संवेदनहीन हो चुका है।

सबसे अधिक आपत्तिजनक स्थिति तब सामने आई जब जिला शिक्षा अधिकारी स्वयं ही दिए गए ज्ञापनों से अनभिज्ञता जताते नजर आए। यह न केवल गैर-जिम्मेदाराना रवैया है, बल्कि अपने पद और कर्तव्यों के प्रति खुली लापरवाही भी है। जबकि एसडीएम द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद भी एक माह तक कोई कार्रवाई न होना प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। ग्राहक पंचायत ने स्पष्ट किया है कि एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू होने से अभिभावकों को हजारों रुपये की राहत मिल सकती है, लेकिन इसके विपरीत निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकों को बढ़ावा देकर अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। अब संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही इस विषय पर ठोस निर्णय लेकर एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू नहीं किया गया, तो मामला मुख्यमंत्री से लेकर उच्च स्तर तक उठाया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय की शरण लेकर कानूनी लड़ाई भी लड़ी जाएगी। इसकी पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की होगी।

किसान भाई रसायन मुक्त, जीरो बजट की खेती अपनाकर स्वस्थ्य समाज निर्माण में योगदान दें- श्री विजयवर्गीय

नगरीय प्रशासन मंत्री ने किया जावद में जहर मुक्त, जीरों बजट कृषि पर आधारित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले एवं प्रदेश के किसान भाई रसायन मुक्त, जीरो बजट की खेती को अपना कर, भावी पीढ़ी को स्वस्थ बनाने एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे। पद्मश्री सुभाष पालेकर जी ने कृषि क्षेत्र में अनेको प्रयोग कर जीरो बजट रसायन मुक्त कृषि पद्धति तैयार की है। इस कृषि पद्धति का उपयोग कर किसान भाई, जीरो बजट खेती करें। यह बात प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को कृषि उपज मण्डी जावद में आयोजित जहर मुक्त जीरो बजट कृषि पर आधारित चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कही। इस मौके पर विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, जावद विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, मुख्य वक्ता पद्मश्री श्री सुभाष पालेकर, जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, नीमच न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, पूर्व सांसद श्री सुभाष जी, पूर्व विधायक कटनी श्री कैलाश जी व अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मंत्री श्री विजय वर्गीय ने कहा, कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी प्राकृतिक खेती, जीरो बजट खेती की बात करते है। इन कृषि पद्धतियों से किसानों को कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। किसान भाई श्री सुभाष पालेकर जी की कृषि पद्धतियों को समझे और उन्हें अपनाए। देश को आत्मर्भिर बनाना है, कृषि क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनना है। श्री विजयवर्गीय ने कीटनाशक और रासायनिक उर्वरक को मानवता का दुश्मन बताया।

मुख्य वक्ता श्री सुभाष पालेकर ने अपने उदबोधन में कहा, कि मैं अपने जीवन में पहले विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा से मिला हूं जो जावद में निःशुल्क कृषि पर आधारित प्रशिक्षण शिविर किसानों के लिए आयोजित कर रहे है। उन्होने कहा, कि मेरी कृषि पद्धति जैविक और प्राकृतिक नहीं है, उससे भिन्न है। उन्होने कहा, कि किसी भी पेड़ पौधे को जीवित रहने के लिए कीटनाशक और किसी भी प्रकार के खाद के भोजन की जरूरत नहीं होती है। उन्होने कहा, कि फसलों में रासायनिक उर्वरक का कतई उपयोग ना करें और ना ही कीटनाशक का। उन्होने किसानों से देशी बीज का उपयोग करने की बात कही।

श्री पालेकर जी ने रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कहा कि समय के साथ खेती का स्वरूप भी बदल रहा है। सोलर एनर्जी के मामले में जावद देश में अग्रणी है। उन्होने कहा, कि जावद के सरकारी स्कूल के 50 छात्र एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई कर रहे है। शासकीय स्कूलों में जे.ई.ई.नीट की निःशुल्क कोचिंग सुविधा के उक्त परिणाम मिले है। श्री सखलेचा ने कहा, कि इस प्रशिक्षण शिविर स्थल पर विभिन्न 16 विभागों की स्टाल एवं प्रदर्शनी लगी है। जावद क्षेत्र के 1500 विद्यार्थी आठ माह से ए.आई.की पढ़ाई कर रहे है। इनमें से 800 बच्चे कृषि में ए.आई.का उपयोग सीख रहे है। उन्होने कहा, कि सभी विभागों, कृषि वैज्ञानिकों और श्री सुभाष पालेकर जी के मार्गदर्शन से जावद क्षेत्र का किसान देश, प्रदेश का अग्रणी किसान बनेगा।

दोस्त ही निकला लुटेरा! चाकू-पत्थर से हमला कर 3.18 लाख लूटे, पुलिस ने 48 घंटे में दबोचा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दोस्ती के नाम पर विश्वासघात की सनसनीखेज वारदात में नीमच सिटी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। मारपीट कर लूट की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को महज 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटी गई पूरी राशि 3 लाख 18 हजार रुपये और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के मार्गदर्शन में थाना नीमच सिटी प्रभारी निरीक्षक पुष्पा सिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

घटना 25 मार्च 2026 की है, जब कपड़ा व्यापारी महेश चंद्र सिंघल के कर्मचारी अकरम अब्बासी उधारी की रकम कलेक्शन कर अपने दोस्त राधेश्याम भील के साथ नीमच लौट रहा था। रास्ते में मालखेड़ा रोड स्थित भेरू घाटी के पास आरोपी ने पेशाब का बहाना बनाकर गाड़ी रुकवाई और फिर चाकू व पत्थर से हमला कर दिया। इसके बाद वह 3 लाख 18 हजार रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गया। मामले में थाना नीमच सिटी में प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने मुखबिर सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 27 मार्च को आरोपी राधेश्याम उर्फ श्यामू भील (22) निवासी डुंगरपुर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से पूरी लूटी गई रकम और बिना नंबर की हीरो होंडा मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

इस कार्रवाई में नीमच सिटी थाना पुलिस और साइबर सेल टीम की अहम भूमिका रही, जिनके संयुक्त प्रयास से इस सनसनीखेज लूटकांड का खुलासा संभव हो सका।

होमगार्ड परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित, 16 यूनिट हुआ रक्तदान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ इकाई के जवानों के लिए आज होमगार्ड कार्यालय परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अनुयोग अस्पताल के संचालक डॉ. योगेंद्र कोठारी एवं उनकी टीम द्वारा मानसेवी सेवाएं प्रदान करते हुए जवानों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ जवानों के साथ-साथ सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स और उनके परिवारजनों ने भी लाभ लिया। इस अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री वीरेंद्र सिंह जादौन सहित जवानों द्वारा लगभग 16 यूनिट रक्तदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान बेहतर स्वास्थ्य एवं नियमित स्वास्थ्य जागरूकता बनाए रखने के संबंध में सभी को संबोधित किया गया। साथ ही उपस्थित जवानों एवं वॉलंटियर्स के लिए परिवार स्वास्थ्य आईडी बनाने की जानकारी दी गई, जिससे भविष्य में आवश्यकता होने पर चयनित जांच एवं उपचार अनुयोग अस्पताल द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जा सकेगा। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान सभी जवानों का सामान्य स्वास्थ्य संतोषजनक पाया गया।

ईसीसी मेले में नन्हे बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, खेल-खेल में सीखने का मिला अवसर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय माध्यमिक विद्यालय भरभड़िया में शनिवार को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसी) मेला उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। मेले में नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी और कक्षा 1 के विद्यार्थियों ने भाग लेकर विभिन्न गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मेला प्रभारी अनिल कुमार तोतला एवं प्रधानाध्यापक बंशीलाल प्रजापति ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करना है। साथ ही शिक्षा के साथ संस्कारों को आत्मसात कराते हुए उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी लक्ष्य रहा।

मेले के दौरान बच्चों ने अलग-अलग स्टॉल के माध्यम से रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। खेल-खेल में सीखने की इस पहल ने बच्चों में उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को एचपीबी कार्ड भी वितरित किए गए।

सम्पादकीय

तीन देशों की सनक से पैदा वैश्विक आर्थिक,सामरिक संकट

जैसी की आशंका दिखाई दे रही है ईरान की भयभीत आम जनता एवं वर्तमान में बचे हुए ईरानी टॉप लीडर्स कि यह पुरजोर मांग है कि ईरान के पास जितना परमाणु ईंधन अमेरिका के आक्रमण से जमीन में धंसा हुआ बचा है, उससे कम से कम 10 बड़े परमाणु बम बनाए जा सकते हैं और इस परमाणु बम को बनाने के लिए ईरान प्रशासन पर पूरा दबाव डाला जा

रहा है। यह हालत इसलिए पैदा हुए हैं की इस त्रिकोणीय युद्ध में ईरान को बहुत बड़ी संख्या में जनहानि और बड़ी मात्रा में आर्थिक क्षति पहुंची है, ईरानके हजारों लोग मारें गए और 25000 से ज्यादा बड़ी-बड़ी बिल्डिंग,स्कूल और हॉस्पिटल ध्वस्त हुए हैं, ईरान में शिया सुन्नी झगड़ा भी अपने चरम पर है। सुन्नी लोग अब शासन का तख्ता पलटने के प्रयास में लगे हुए हैं। अमेरिका तथा इजरायल युद्ध से ईरान में हुए इस नुकसान को पूरा करने में ईरान को 15 से 20 साल लग सकते हैं। ईरान की सरकार और उनकी जनता के बीच जिस तरह से करो या मरो की स्थिति बनी है, जिसके परिणाम स्वरुप वहां की जनता और नेता यह चाहते हैं कि परमाणु बम बनाना तथा ईरान इजरायल और उसके सहयोगी देशों पर परमाणु हमला करना ही उनके अस्तित्व को बचाने के लिए अंतिम और सम्यक विकल्प हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो निश्चित तौर पर अमेरिका इजरायल और ईरान यदि परमाणु संघर्ष में बदल सकता है। इसके परिणाम में यह परमाणु युद्ध मानव इतिहास के उन भयावह क्षणों से भी अधिक विनाशकारी होगा, जिनकी शुरुआत द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान के शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका द्वारा किए गए परमाणु हमलों से हुई थी। हिरोशिमा पर परमाणु बम विस्फोट की घटना 6 अगस्त 1945 को हुई थी, जब अमेरिका ने जापान के शहर हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया था। इसके तीन दिन बाद, नागासाकी पर परमाणु बम विस्फोट 9 अगस्त 1945 को हुआ, जब अमेरिका ने ही नागासाकी पर दूसरा परमाणु बम गिराया। यह घटनाएँ द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम चरण में अमेरिका और जापान के बीच हुए युद्ध का हिस्सा थीं। गौर तलब है कि उसे समय के परमाणु बम सीमित शक्ति के थे और उनका प्रभाव मुख्यतः स्थानीय स्तर पर केंद्रित रहा था, जबकि आज के परमाणु हथियार अत्यधिक उन्नत, बहु-मेगाटन क्षमता वाले और दूरगामी प्रभाव वाले विकसित हो चुके हैं। आधुनिक परमाणु युद्ध केवल एक शहर या देश तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसका प्रभाव विश्व के हर देश के स्तर पर फैलेगा, यदि ईरान परमाणु हथियार का उपयोग करता है या उस पर परमाणु हमला होता है तो सबसे पहले प्रत्यक्ष प्रभाव मध्य पूर्व क्षेत्र में दिखाई देगा, जिसमें इज़रायल की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो सकती है वह पूरी तरह विनाशकारी स्थिति में पहुंच सकता है। वहां जनसंख्या का बड़ा हिस्सा तुरंत प्रभावित होगा और बुनियादी ढांचा समाप्त हो सकता है। इसके साथ ही सऊदी अरब में रेडियोधर्मी कण पहुंचने की आशंका होगी जिससे वहां के तेल भंडार, जल स्रोत और जनजीवन गंभीर रूप से प्रभावित होंगे। इराक और सीरिया जैसे पड़ोसी देश जो पहले से अस्थिर हैं, यहां परमाणु विकिरण के कारण मानवीय संकट और भी गहरा जाएगा, तुर्की जो यूरोप और एशिया के बीच स्थित है, वह रेडियोधर्मी बादलों के प्रभाव से कृषि और स्वास्थ्य संकट का सामना कर सकता है। इसके आगे यह विकिरण वायुमंडलीय धाराओं के माध्यम से यूरोप के देशों जैसे ग्रीस, इटली और जर्मनी तक फैल सकता है, जहां कैंसर, श्वसन रोग और पर्यावरणीय असंतुलन बढ़ने की संभावना होगी। यदि संघर्ष बृहद रूप लेता है और अमेरिका तथा रूस जैसे परमाणु शक्तिशाली देश इसमें शामिल होते हैं तो स्थिति और भयावह हो जाएगी क्योंकि तब यह सीमित युद्ध नहीं बल्कि वैश्विक परमाणु टकराव का रूप ले सकता है। भारत और पाकिस्तान भी इसके अप्रत्यक्ष प्रभाव से अछूते नहीं रहेंगे, यहां पर मानसूनी चक्र में बदलाव, तापमान में गिरावट और कृषि उत्पादन में भारी कमी देखने को मिल सकती है जिसे ÷न्यूक्लियर विंटर÷ कहा जाता है। इस स्थिति में सूर्य का प्रकाश धूल और धुएं के कारण धरती तक नहीं पहुंच पाएगा जिससे वैश्विक खाद्य संकट उत्पन्न होगा, चीन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को भी आपूर्ति श्रृंखला टूटने, व्यापार बाधित होने और जनस्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ेगा। अफ्रीका के देश जैसे मिस्र और नाइजीरिया खाद्य आयात पर निर्भर हैं, वहां अकाल और भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। वहीं दक्षिण अमेरिका के देश जैसे ब्राज़ील में भी जलवायु परिवर्तन और कृषि हानि देखने को मिल सकती है, इस पूरे परिदृश्य में एक बड़ा अंतर यह है कि द्वितीय विश्व युद्ध के समय केवल दो बम गिराए गए थे और उनका प्रभाव सीमित समय और स्थान में रहा, जबकि आज के परमाणु हथियारों की संख्या हजारों में है और उनकी मारक क्षमता कई गुना अधिक है, आधुनिक मिसाइल तकनीक जैसे इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, कुछ ही मिनटों में एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक परमाणु हथियार पहुंचा सकती है, इसके अलावा आज की दुनिया अधिक परस्पर जुड़ी हुई है, वैश्विक अर्थव्यवस्था, संचार प्रणाली, इंटरनेट और आपूर्ति श्रृंखलाएं एक-दूसरे पर निर्भर हैं। इसलिए किसी एक क्षेत्र में परमाणु विस्फोट का प्रभाव पूरी दुनिया में आर्थिक मंदी, तकनीकी ठहराव और सामाजिक अराजकता के रूप में दिखाई दे सकती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से रेडियोधर्मी विकिरण केवल तत्काल मृत्यु ही नहीं बल्कि पीढ़ियों तक चलने वाली बीमारियां जैसे कैंसर, जन्म दोष और मानसिक विकार पैदा करेगा।

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है। लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं।

आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

-ललित गर्ग

दूरगामी असर वाले विधानसभा चुनाव, एसआईआर से लेकर परिसीमन तक तक व्यापक फैसले

अगले डेढ़ माह में चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में नई सरकार बननी है। नजरें इस पर टिकी हैं कि इन राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टी क्या वापस जनादेश पाती है या फिर विपक्ष में बैठे दल काबिज होते हैं? जाहिर तौर पर वापसी का बड़ा कारण तो जनहित में लिए गए फैसले ही होते हैं, पर महत्वपूर्ण कारक विभिन्न दलों के नेतृत्व की विश्वसनीयता भी है एक पहलू नैरेटिव का भी होता है। जनता यह आकलन करती है कि केवल उनका ही नहीं, उनके बच्चों का भी भविष्य संबंधित दल कितना सुरक्षित रख पाएंगे? विधानसभा चुनावों में हालांकि यह सीमित होता है, पर कई बार तो यह पैमाना परिवार और बच्चों से आगे बढ़कर देश तक पहुंचता है। चुनावी राज्यों में ये पहलू प्रभावी रहने वाले हैं।

असम को लेकर बहुत असमंजस नहीं है और इसका बड़ा कारण यह है कि विपक्षी कांग्रेस के नेता भी अपनी तैयारी से संतुष्ट नहीं दिख रहे हैं। नेतृत्व, प्रदर्शन और नैरेटिव के मोर्चे पर फिलहाल सत्ताधारी भाजपा काफी आगे खड़ी है। राज्य में घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है और भाजपा इसके विरुद्ध चैंपियन बनकर खड़ी है। पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेश है और वहां तमिलनाडु की राजनीति का असर होता है।

लिहाजा तमिलनाडु, केरल और सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में देश की रुचि है। बंगाल की जनसांख्यिकी के साथ 15 साल से सत्ता में बनीं ममता बनर्जी की जो राजनीति है, उसमें कोई भी यह भविष्यवाणी करने से बच रहा है कि वह चौथी बार सत्ता में नहीं आ सकतीं, पर एक फार्मूला इन तीनों राज्यों में बहुत प्रखर है और वह है एंटी इनकंबेंसी। बंगाल की लगभग एक चौथाई सीटें ऐसी हैं, जहां 30 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम वोटर हैं और वे नैरेटिव के आधार पर भाजपा के खिलाफ हैं।

ममता की चुनावी शक्ति का यह बड़ा आधार है, लेकिन उन्हें पिछली बार इसका अहसास हो गया था कि जमीन भुरभुरी हो रही है। विकास की तड़प और बदलाव की छटपटाहट भी एक बड़े वर्ग में है। प्रबुद्ध वर्ग के अंदर तृणमूल सरकार की कई नीतियों को लेकर बेचैनी है। संदेशखाली से लेकर आरजी कर मेडिकल कालेज में महिलाओं के साथ हुई निर्ममता ने महिला सुरक्षा और संवेदनशीलता को झकझोर दिया है। विपक्षी दल इसे फिर से याद दिला रहे हैं। ममता सरकार इससे अनभिज्ञ नहीं होगी, लेकिन पता नहीं कि वे भद्रलोक की आशंकाओं को निर्मूल करने के लिए क्या कर रही हैं? माना जा रहा है कि इस बार का बंगाल चुनाव मुख्यतः कोलकाता प्रेसीडेंसी या ग्रेटर कोलकाता में ही लड़ा जाएगा, जहां पिछली बार भाजपा फिसड्डी रह गई थी।

-आशुतोष झा

आधुनिक समाज में यौनता का अतिशय

आज का समय एक विचित्र द्वंद्व का समय है। एक ओर हम स्वयं को आधुनिक, जागरूक और खुला समाज घोषित करते हैं, तो दूसरी ओर हमारी चेतना का एक बड़ा हिस्सा लगातार एक ही बिंदु के इर्द-गिर्द सिमटता जा रहा है–देह, आकर्षण और कामना का अतिशय प्रदर्शन। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि बीते दो-तीन दशकों में जीवन के लगभग हर क्षेत्र में ÷सेक्स÷ एक केंद्रीय विमर्श के रूप में उभरा है, किंतु यह विमर्श संतुलित या संवेदनशील न होकर अधिकतर बाज़ार, उपभोग और सतही उत्तेजना तक सीमित रह गया है। परिणामस्वरूप, जो विषय स्वाभाविक, निजी और मानवीय अनुभव का हिस्सा होना चाहिए था, वह अब एक उत्पाद, एक रणनीति और निरंतर परोसी जाने वाली सामग्री में परिवर्तित हो गया है।

बाज़ार ने इस परिवर्तन को सबसे पहले पहचाना और सबसे आक्रामक रूप में भुनाया। विज्ञापनों से लेकर फिल्मों, वेब सीरीज़ और सोशल मीडिया तक, हर जगह देह का एक विशेष प्रकार का चित्रण दिखाई देता है, जो आकर्षण को बेचने का सबसे आसान माध्यम बन चुका है। साबुन, शैम्पू, कपड़े, यहाँ तक कि रोज़मर्रा की साधारण वस्तुओं के प्रचार में भी यौन संकेतों का प्रयोग अब सामान्य हो गया है। यह प्रवृत्ति केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि धीरे-धीरे दर्शकों की संवेदनाओं और अपेक्षाओं को भी प्रभावित करती है। जब हर ओर एक ही तरह का संदेश बार-बार दोहराया जाता है, तो वह सामान्य प्रतीत होने लगता है–और यही सामान्यीकरण सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

इस बदलते परिदृश्य में केवल बाज़ार ही नहीं, बल्कि वे क्षेत्र भी शामिल हो गए हैं जो कभी मूल्य, अनुशासन और संतुलन के प्रतीक माने जाते थे। शिक्षा, अध्यात्म, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास जैसे क्षेत्रों में भी ÷बेहतर जीवन÷ की परिभाषा को एक विशेष दिशा में मोड़ दिया गया है। जीवन की जटिलताओं का समाधान अब अक्सर इस रूप में प्रस्तुत किया जाता है कि व्यक्ति अपनी ÷सेक्स लाइफ÷ को बेहतर बना ले, मानो यह जीवन के हर असंतुलन का अंतिम उत्तर हो। यह सरलीकरण न केवल भ्रामक है, बल्कि जीवन के अन्य महत्वपूर्ण आयामों–जैसे मानसिक शांति, संबंधों की गहराई, सामाजिक जिम्मेदारी और आत्मिक संतुलन–को भी हाशिये पर डाल देता है।

इस पूरे परिदृश्य का सबसे गहरा प्रभाव मानवीय संबंधों पर पड़ा है। रिश्तों की जो आत्मीयता, सहजता और भरोसा कभी उनकी आधारशिला हुआ करती थी, वह धीरे-धीरे प्रदर्शन, अपेक्षा और तुलना के दबाव में कमजोर होती जा रही है। प्रेम, जो कभी एक गहरी अनुभूति और आत्मिक जुड़ाव का प्रतीक था, अब अक्सर बाहरी अभिव्यक्तियों और शारीरिक आकर्षण तक सीमित कर दिया जाता है। इससे न केवल संबंधों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि व्यक्ति के भीतर एक स्थायी असंतोष भी जन्म लेता है, क्योंकि वह लगातार एक आदर्श छवि को पाने की कोशिश में रहता है, जो वास्तविकता से कोसों दूर होती है।

स्त्री-पुरुष संबंधों के संदर्भ में यह बदलाव और भी जटिल हो जाता है। स्त्री का चित्रण लंबे समय से समाज में बहस का विषय रहा है, किंतु वर्तमान समय में यह चित्रण एक नए प्रकार के वस्तुकरण की ओर संकेत करता है। स्त्री को एक व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया जाना उसकी पहचान को सीमित कर देता है। यह प्रवृत्ति केवल पुरुष दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि कई बार स्वयं स्त्रियाँ भी इसी ढाँचे के भीतर अपनी स्वीकृति तलाशने लगती हैं। इससे एक ऐसा चक्र निर्मित होता है, जिसमें वास्तविक स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की जगह बाहरी मानकों को पूरा करने की होड़ ले लेती है।

मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इस प्रवृत्ति को और तीव्र कर दिया है। एल्गोरिद्म आधारित दुनिया में वही सामग्री अधिक दिखाई जाती है जो तुरंत ध्यान आकर्षित करे और अधिक प्रतिक्रिया प्राप्त करे। ऐसे में गहराई, संवेदना और विचारशीलता की जगह उत्तेजना, सनसनी और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता मिलती है। यह न केवल दर्शकों की पसंद को प्रभावित करता है, बल्कि रचनाकारों को भी उसी दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है। धीरे-धीरे यह एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करता है, जहाँ गंभीरता और संवेदनशीलता को कम महत्व दिया जाता है।

इस सबके बीच एक और गंभीर पहलू उभरता है–सुरक्षा और नैतिकता का प्रश्न। जब समाज में देह और यौनता का अत्यधिक और असंतुलित प्रदर्शन होता है, तो उसका प्रभाव व्यवहार पर भी पड़ता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल इसी कारण अपराध बढ़ते हैं, किंतु यह भी सत्य है कि एक असंतुलित और विकृत दृष्टिकोण सामाजिक वातावरण को प्रभावित करता है। बच्चों और किशोरों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि वे अभी अपने मूल्यों और समझ का निर्माण कर रहे होते हैं। जब वे हर ओर एक ही प्रकार के संकेत देखते हैं, तो उनके लिए सही और गलत के बीच संतुलन स्थापित करना कठिन हो जाता है।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण प्रश्न के सामने खड़ा करती है–क्या वास्तव में हम एक अधिक परिपक्व और खुले समाज की ओर बढ़ रहे हैं, या केवल एक ऐसे भ्रम में जी रहे हैं, जहाँ खुलापन केवल प्रदर्शन तक सीमित है? परिपक्वता का अर्थ केवल वर्जनाओं को तोड़ना नहीं होता, बल्कि यह समझना भी होता है कि किस सीमा तक, किस संदर्भ में और किस संवेदनशीलता के साथ किसी विषय को देखा और प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यदि इस संतुलन की अनदेखी की जाती है, तो खुलापन भी एक नए प्रकार की बंदिश में परिवर्तित हो सकता है। समाधान इस स्थिति से भागने में नहीं, बल्कि उसे समझने और संतुलित करने में निहित है। यौनता मानव जीवन का एक स्वाभाविक और महत्वपूर्ण हिस्सा है, किंतु इसे जीवन का केंद्र बना देना न तो आवश्यक है और न ही स्वस्थ। हमें यह स्वीकार करना होगा कि जीवन की समृद्धि केवल एक आयाम में नहीं, बल्कि अनेक आयामों के संतुलन में निहित है। शिक्षा, कला, साहित्य और मीडिया को इस संतुलन को पुनः स्थापित करने की दिशा में प्रयास करना होगा, ताकि समाज में एक अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार दृष्टिकोण विकसित हो सके।

अंततः, यह केवल बाहरी परिवर्तन का प्रश्न नहीं, बल्कि आंतरिक जागरूकता का भी विषय है। जब तक व्यक्ति स्वयं यह नहीं समझेगा कि वह क्या देख रहा है, क्यों देख रहा है और उसका उस पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, तब तक कोई भी बाहरी प्रयास अधूरा रहेगा। हमें अपने भीतर उस संवेदनशीलता को पुनः जागृत करना होगा, जो किसी व्यक्ति को केवल देह नहीं, बल्कि एक संपूर्ण अस्तित्व के रूप में देख सके। यही वह दिशा है, जो हमें इस अतिरेक और असंतुलन से बाहर निकालकर एक अधिक मानवीय, संतुलित और सार्थक समाज की ओर ले जा सकती है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

सहजयोग ध्यान हमें कठिनतम परिस्थितियों में सहज व प्रसन्न रहना सिखाता है

सहजयोग ध्यान करने की एक अर्वाचीन पद्धति है। जो आज के तनावग्रस्त जीवन में बहुत कारागर साबित हो रही है। आपको ऐसा लगेगा की योगा, ध्यान आदि बुढापे में करने की चीजें हैं परंतु ऐसा नहीं है, आज बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी तनाव में रहते हैं, कुछ न कुछ समस्याओं से घिरे रहते हैं। ऐसा नहीं है कि सहजयोग सीखने के बाद और इस ध्यान मे पारंगत होने के बाद आपके जीवन में समस्यायें नहीं आयेंगी। समर्थ रामदास महाराज कहते हैं (%मना त्वाचिरे पूर्वसंचित केले तयासारखे भोगणे प्राप्त झाले%) जो कुछ भी शारिरिक या मानसिक भोग हैं वो आपके जीवन में रहेंगे परंतु आप अंदर से इतने शक्तिशाली बन जायेंगे कि उन सभी समास्याओं से प्रभावित न होते हुए आप आसानी से उनसे छूटकर आनंददायी जीवन व्यतीत करने लगेंगें। आपके जीवन में सकारात्मकता व प्रसन्नता का गुणांक कई गुना बढ़ जाएगा।

सहजयोग ध्यान अत्यंत सहज है। प.पूज्य श्री माताजी कहते हैं कि जो साधक अपने आत्म साक्षात्कार को सच्चे हृदय से चाहेगा उसे तत्क्षण ये प्राप्त हो जाएगा।और इसे प्राप्त करने बाद धीरे-धीरे साधक इस ध्यान की सूक्ष्मताओं को समझकर अपना जीवन सकारात्मक तरीके से बदलने के लिये सदैव प्रयासरत रहता है।

कंठोपनिषद में वर्णित है कि यह मनुष्यरूपी शरीर ग्यारह द्वारोंवाला है और ये शरीर ही उस आत्म रूपी परमेश्वर की नगरी है। वह आनंदस्वरूप परमात्मा सर्वत्र समभाव से सदा परिपूर्ण रहते हुए भी अपनी राजधानी रूपी इस मनुष्य शरीर के हृदयप्रासाद में राजा की भांति विशेष रूप से विराजित रहते हैं। इस रहस्य को समझकर जो मनुष्य इसी जन्म में इस आत्मसाक्षात्कार को पाना चाहते हैं और जो साधक इस शाश्वत सत्य को जानता है वह शोक के कारण रूप संसार बन्धन से छूटकर जन्ममृत्यु के चक्र से सदा के लिये छूट जाता है। यही ब्रम्हसाक्षात्कार है।

वर्तमान में मे इसे पाना सहज हो गया है, बस आपको अपने आत्मसाक्षात्कार की शुद्ध इच्छा कर हर दिन सुबह-शाम 10 मिनट इस ध्यान में स्थित होना होता है और आपकी एकाकारिता परमात्मा से होने लगती है और जीवन में सभी प्रकार के समाधान प्राप्त हो जाते हैं।

डॉ. चेतना दीक्षित को बैंकॉक, थाईलैंड आमंत्रित

डॉ. चेतना दीक्षित को अति-विशिष्ट सम्मान के साथ विशिष्ट वक्ता के रूप में भी आमंत्रित किया गया हैं

प्रख्यात ओरल और डेंटल सर्जन डॉ. चेतना दीक्षित एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पुरस्कार 2026 के लिए भी नामांकित किया गया है।

यह प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, यूनाइटेड पीस कीपर्स फेडरल काउंसिल के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 29 मार्च, 2026 को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्थित टीचर्स काउंसिल हॉल में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के नीति-निर्माता, राजनयिक, शिक्षाविद और विशेषज्ञ भाग लेंगे।

इस कार्यक्रम के दौरान वैश्विक शांति, महिला नेतृत्व, सामाजिक विकास और लैंगिक समानता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर उच्च-स्तरीय संवाद और विचार-विमर्श किए जाएंगे। इस अवसर पर, डॉ. चेतना दीक्षित वैश्विक समुदाय को संबोधित करेंगी और अपने अनुभव, दृष्टिकोण तथा कार्यों को साझा करेंगी। डॉ. चेतना दीक्षित की यह उपलब्धि उनके अटूट समर्पण, पेशेवर उत्कृष्टता और सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की अंतर्राष्ट्रीय पहचान है। उनकी भागीदारी वैश्विक मंच पर न केवल इंदौर, बल्कि संपूर्ण भारत की बौद्धिक और सामाजिक उपस्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने का कार्य करेगी।

भारतीयों से भयभीत अमेरिकी, रोकना अमेरिका के लिए भी हानिकारक

हाल में प्यू रिसर्च से जुड़ी खबर में बताया गया कि अमेरिका में रहने वाले तमाम धार्मिक समूहों में हिंदू सबसे अधिक पढ़े-लिखे हैं। इसके बाद यहूदी समुदाय है। 70 प्रतिशत हिंदुओ ने स्नातक या उससे अधिक पढ़ाई की है। इसी क्रम में 65 प्रतिशत यहूदियों के पास स्नातक या उससे अधिक पढ़ाई की योग्यता है। इन दोनों समूहों की तुलना में अमेरिकियों में मात्र 35 प्रतिशत लोगों के पास इतनी शिक्षा है।

मुस्लिम, बौद्ध और ईसाई समूहों में दस में से चार के पास स्नातक तक की शिक्षा है। प्रोटेस्टेंट ईसाइयों के पास भी औसत से अधिक शिक्षा है, जबकि कैथोलिक समूहों की शिक्षा राष्ट्रीय औसत से कम है। प्यू रिसर्च से जुड़ी खबर यह भी बताती है कि अधिकांश भारतीय जो अमेरिका आए हैं, वे उच्च शिक्षा लेकर ही आए हैं।

एक अन्य खबर में बताया गया कि भारतीयों को भारत से बहुत कम शिकायत है। वे अपने देश के निंदा अभियानों में शामिल नहीं होते। सिर्फ तीन प्रतिशत भारतीय ही अपने देश के बारे में नकारात्मक राय रखते हैं। अमेरिका में अपने देश को नापसंद करने वाले लोगों की संख्या 20 प्रतिशत और ब्रिटेन में 29 प्रतिशत है। भारत, स्पेन, कनाडा, इंडोनेशिया आदि देशों के लोगों को इस पर भी गर्व है कि उनके देश में बहुत सी भाषाएं बोली जाती हैं। यह निष्कर्ष 25 देशों के 30 हजार लोगों से बातचीत करके निकाला गया।

अपने ही देश भारत की निंदा करने वाले तीन प्रतिशत लोगों में बुद्धिजीवी तबका और विशेष तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की संख्या ज्यादा प्रतीत होती है। इसका एक उदाहरण इस लेखिका को हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान मिला। एक बड़े विश्वविद्यालय में भारत के बारे में एक संगोष्ठी थी। वहां जाना हुआ। बोलने वाले विश्वविद्यालय के वरिष्ठ भारतीय प्रोफेसर ही थे। लगभग दो घंटे के संबोधन और पीपीटी में उन्होंने जो चीजें दिखाईं, उनमें बारंबार यही कहा गया कि इस देश में यह बुराई है, वह बुराई है। यहां तो कुछ हुआ ही नहीं है। आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा ही पिछड़ा है। महिलाओं के मामले में तो इसका रिकार्ड बहुत खराब है। जो आंकड़े उन्होंने प्रस्तुत किए, वे भी पता नहीं कहां से निकाल कर लाए थे। उनसे भारत की एक बहुत ही पिछड़े हुए देश की छवि बनती थी। निःसंदेह अपने देश की आबादी के लिए बहुत कुछ करना अभी बाकी है, लेकिन कुछ हुआ ही नहीं, यह बात तथ्यों से परे हैं। संगोष्ठी के बाद यह लेखिका उन प्रोफेसर महोदय से मिलने गई। उनसे पूछा कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों मान लिया है कि भारत से कोई उम्मीद ही नहीं है और वह एक बेकार देश है। चूंकि वे परिचित थे, तो बाहर निकलते वक्त साथ आए। अपनी कार में बैठते हुए उन्होंने जो कहा, उसे सुनकर बहुत हैरानी हुई। वह बोले कि अगर हम ऐसा नहीं करेंगे, तो हमें कौन पूछेगा? यानी हमें कोई पूछे, हमारा करियर परवान चढ़े, हम प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचें, इसलिए हम कहेंगे कि भारत किसी लायक ही नहीं है। आखिर यह बेईमानी नहीं तो और क्या है?

-धनंजय राजौरा

प्रदेश सरकार ने आमजन तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए एमपी ई-सेवा पोर्टल प्रारंभ किया-कलेक्टर

कलेक्टर के मुख्य आतिथ्य में देवास में पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया मीडिया वार्तालाप कार्यक्रम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मुख्य आतिथ्य में प्रेस इनफॉरमेशन ब्यूरो (पीआईबी) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, भोपाल द्वारा विकसित भारत2047, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पर केंद्रित वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन देवास के खेड़ापति होटल में किया गया। इस अवसर पर पीआईबी भोपाल के निदेशक श्री मनीष गौतम, माखनलाल चतुर्वेदी राष्टीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक तरुण सेन, माखनलाल चतुर्वेदी राष्टीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के व्याख्याता परेश उपाध्याय, पीआईबी भोपाल के सहायक निदेशक अजय प्रकाश उपाध्याय, संचालन सूचना और प्रसारण मंत्रालय के शाखा कार्यालय इंदौर के सहायक प्रचार अधिकारी श्री दिलीप सिंह परमार अन्य संबंधित तथा बड़ी संख्या में मीडिया बंधु उपस्थित थे।

मीडिया वार्तालाप में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा आम जन के हित में उनके कल्याण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। यह योजनाएं कृषि, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, सिंचाई सहित विभिन्न क्षेत्रों में संचालित की जा रही हैं। वार्तालाप जैसे कार्यक्रम मीडिया के माध्यम से इन योजनाओं और कार्यक्रमों की ज्यादा से ज्यादा जागृति पैदा कर आमजन के हित का काम करते हैं। कलेक्टर सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा ई-सेवा पोर्टल द्वारा आमजन को घर बैठे योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य किया जा रहा है। इसकी मोबाइल एप पर शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। योजनाओं लाभ लेने के लिए आवेदन भी कर सकते हैं। इस सेवा पोर्टल के माध्यम से सब काम घर बैठे हो जाएंगे, आवेदकों को ऑफिसों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेगे।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री राहत योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीएम राहत योजना महत्वपूर्ण योजना है। जिसमें पीड़ित मरीज को उपचार में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के मामलों में यह योजना घायल व्यक्ति के लिए बहुत मददगार साबित हो रही है। उन्होंने राहवीर योजना के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी। बताया कि शासन की इन योजनाओं से लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। उन्होंने वार्तालाप में कार्यक्र में मीडिया बंधुओं को इस योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रचार करने के लिए कहा। कलेक्टर सिंह ने नरवाई प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पराली के संबंध में अधिक से अधिक किसानों को जागरूक करें। पराली जलाने से जमीन की उर्वरा क्षमता कम होती है। इसलिए कृषकगण पराली नहीं जलाएं। उन्होंने कहा कि जो भी पराली जलाते हुए पाए जाएंगे संबंधित व्यक्ति पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर सिंह ने कहा कि मीडिया शासन की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने में काफी सहायक होता है। मीडिया के पास हर प्रकार की जानकारी होती है, जिससे शासन-प्रशासन को कार्य करने में काफी मदद मिलती है।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि योजनाओं के विषय में सही जानकारी होना आमजन में उसके प्रति जागरूक होना सरकार के कार्यक्रमों और योजनाओं के लाभ की पहली सीढ़ी है। जागृति के माध्यम से ही हम इन योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं जिनके लिए सरकार हमेशा प्रयास करती रहती है।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर अपने स्वागत उद्बोधन में पीआईबी भोपाल के निदेशक श्री मनीष गौतम ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों का मीडिया के माध्यम से जागृति पैदा कर बड़े वर्गों को उनका लाभ देना ही इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन मध्य प्रदेश के विभिन्न अंचलों और जिलों में आयोजित किए गए हैं।

कार्यक्रम में माखनलाल चतुर्वेदी राष्टीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक तरुण सेन ने कहा कि सरकार आम जन की कल्याण के लिए अनेक योजनाएं न सिर्फ बनाती है बल्कि उनका क्रियान्वयन भी करती है।इन योजनाओं की ठीक से जानकारी न होने के कारण अथवा जागृति की कमी के कारण बड़ी संख्या में आमजन इनका लाभ नहीं उठा पाते हैं।अतः समाज का अभिन्न अंग होने के नाते हमारा प्रयास होना चाहिए कि अपने प्रयासों से हम ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इन कार्यक्रमों की जानकारी मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचा सके।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास से संबंधित जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आयुष्मान योजना, कृषि, कल्याण से संबंधित योजनाएं वीबी जी राम जी सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में वरिष्ठ अधिकारियों ने जानकारी दी ।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्टीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के व्याख्याता परेश उपाध्याय ने कम्युनिटी रेडियो के बारे में बताया ।उन्होंने कम्युनिटी रेडियो के लाभ और यह किस प्रकार से शुरू किया जा सकता है, इसके बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में पीआईबी भोपाल के सहायक निदेशक अजय प्रकाश उपाध्याय ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों द्वारा जागरूकता से संबंधित किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया कार्यक्रम का संचालन सूचना और प्रसारण मंत्रालय के शाखा कार्यालय इंदौर के सहायक प्रचार अधिकारी दिलीप सिंह परमार ने किया।

युवक पर हमला करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, एक को भेजा जेल

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कट मारने की बात पर तीन बदमाशों ने एक युवक पर तलवार से हमला कर घायल कर दिया था। मामले में पुलिस ने तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस मुख्य आरोपी को घटनास्थल ले गई और वहां घटना का पूरा जायजा लिया।

कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि यह घटना करीब तीन दिन पहले मनिहारवाड़ी इलाके में हुई थी। भोईवाड़ा निवासी राजेश केवट (32) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपनी मां और भांजी के साथ मेला देखकर लौट रहा था। इसी दौरान आरोपी अमन पठान बाइक से आया और कट मारने की बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि अमन पठान ने गाली-गलौज करते हुए तलवार से हमला किया। बचाव के प्रयास में राजेश की कलाई पर चोंट आई थी। इसके बाद फईम पठान अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा। जिसने लकड़ी और लात-घूंसों से राजेश केवट के साथ मारपीट की, जिससे युवक के चेहरे और पेट पर भी चोटें आईं। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर घायल राजेश को बचाया। जाते समय आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए फईम उर्फ बाबू खा (21) को शुक्रवार को ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। शनिवार को अजहर उर्फ भूरा (20) और अमन पठान (22) को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इन्हें आज न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस ने मुख्य आरोपी का घटनास्थल पर पैदल भ्रमण भी कराया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी संतोष वाघेला, उप निरीक्षक नवीन बिलावलीया, सउनि विक्रम सिंह जाटवा, प्रधान आरक्षक राकेश किरार, आरक्षक संजय पटेल और आरक्षक हेमराज मालवीय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लगन लाने के बहाने बाईक पर बैठाया, शराब पिलाई, फिर बाईक से बांधकर घसीटा

अपने ही समधी के साथ राजगढ़ निवासी युवक ने की बर्बरता, रात 1 बजे पहुंचा अस्पताल

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम सिरोलिया निवासी एक व्यक्ति को उसके ही समधी ने बाईक से बांधकर घसीटा। जब लोगों ने बीच बचाव किया तो उसने ग्रामीण की रस्सी तो खोल दी लेकिन उसे जमीन पर घसीटता रहा। इसके बाद उसे अपने हाल पर छोड़कर बाईक से निकल गया। लोगों परिजनों को इसकी सूचना दी और घायल को रात 1 बजे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना भैंसवा माता मंदिर के पास की है। मौके पर मौजूद लोगों ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो शनिवार को सामने आया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि आरोपी देवीलाल ने अपने समधी मांगीलाल को रस्सी से बाइक से बांध रखा है और उसे सड़क पर घसीट रहा है।

लोगों ने कहा अब मत करो, मर जाएगा- घटना भैंसवा माता मंदिर के पास की है, जिसका वीडियो भी सामने आया। वीडियो में कुछ लोग देवीलाल को रोकते हुए और यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि अब बाइक से मत घसीटो, मर जाएगा। इसके बाद देवीलाल रस्सी खोलकर बुजुर्ग को अलग करता है, लेकिन फिर उसे दोनों हाथों से पकड़कर बेरहमी से जमीन पर घसीटता है। बाद में वह पीड़ित को वहीं छोड़कर अपने साथी के साथ बाइक पर बैठकर निकल जाता है। युवक के जाने के बाद स्थानीय लोगों ने पीड़ित बुजुर्ग की जेब से मोबाइल निकालकर उसके परिजन को घटना की सूचना दी। शुक्रवार रात को परिजन भैंसवा माता मंदिर पहुंचे और पुलिस वाहन की मदद से मांगीलाल को मक्सी थाने ले गए। यहां से इलाज के लिए शाजापुर जिला अस्पताल भेजा गया। शुक्रवार रात करीब 1 बजे उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज जारी है। मामले में अभी तक पुलिस ने किसी पर भी कोई केस दर्ज नहीं किया है।

लगन लाने के बहाने ले गया- मांगीलाल के परिजन शंकरलाल ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे समधी देवीलाल उनके घर आया। मांगीलाल से लग्न लाने के लिए भैंसवा माता मंदिर चलने को कहा। मांगीलाल ने घर पर हवन चलने का हवाला देते हुए मना किया, लेकिन देवीलाल नहीं माना और उन्हें अपने साथ ले गया। वहां जाकर दोनों ने साथ शराब पी। इसके बाद देवीलाल ने मांगीलाल को बाइक से बांधकर घसीटा। परिजन को स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाकर सूचना दी। पुलिस ने उन्हें मक्सी थाने और फिर शाजापुर जिला अस्पताल जाने को कहा।

कम्पनीयों को सील करने पहुंची टीम, तालाबंदी के पूर्व कम्पनीयों ने की राशि जमा

रविवार को भी संपत्तिकर एवं जलकर के काउंटर निगम मे खुले रहेगें

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वित्तीय वर्ष 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। नगर निगम की राजस्व वसुली को लेकर डिमाण्ड अनुरूप वसुली लक्ष्य की पूर्ति के लिए आयुक्त दलीप कुमार ने संपत्तिकर राजस्व वसुली को लेकर राजस्व की टीम को सख्ती से निर्देश देते हुए ऐसे बकायादारों औद्योगिक ईकाईयां, व्यवसाईक दुकान, मॉल, भवन, मैरीज गार्डन के स्वामित्वों के द्वारा निगम राजस्व करों का भुगतान नही किया है उन बकायादारों के विरूद्ध कुर्की एवं तालाबंदी की कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

तालाबंदी के पूर्व कम्पनीयों ने की राशि जमा- तालाबंदी की कार्रवाई के पूर्व ही सुदर्शन डिकॉन 2 लाख, गजरा गियर्स कम्पनी द्वारा 7 लाख, एमपी एग्रो बी.आर.के. द्वारा 1 लाख 30 हजार, गंगोत्री फ्लेक्सी ट्युब द्वारा 2 लाख, डीआर होटल द्वारा 3 लाख, अनिक मिल्क द्वारा 75 लाख, विध्याचंल स्कुल द्वारा 30 लाख, अनामय स्कुल 1 लाख 50 हजार का बकाया संपत्तिकर जमा कराया गया।

मैरीज गार्डन, दुकानें हुई सील- इसके पश्चात निगम सीमा क्षेत्र के कुछ औद्योगिक ईकाईयां, व्यवसाईक दुकान, मॉल, मैरीज गार्डन, कमर्शियल भवनों के स्वामियों द्वारा बकाया संपत्तिकर व जलकर के स्वामित्वों द्वारा करों का भुगतान नही किये जाने पर निगम राजस्व विभाग की टीम के प्रथक प्रथक दलों के द्वारा कुर्की एवं तालाबंदी की कार्रवाई की गई। कार्रवाई में राजस्व की टीम में उपायुक्त वित्त एवं राजस्व दिपक पटेल, उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, आरती खेडेकर, राजस्व अधिकारी अनुभूति श्रीवास्तव एवं टीम के राम ठाकुर, संजय सांगते, रवि गोयनार, प्रतिक शास्त्री, वार्ड के नाकेदारों के द्वारा श्री हरि गार्डन पर संपत्तिकर की राशि 8 लाख, शेख नायता जमात खाने पर 8 लाख, मिलन रेस्टोरेंट पर 1 लाख, एमपी रूई भण्डार पर 58 हजार, गायत्री टाईल्स पर 2 लाख 37 हजार, वार्ड 40 में गफ्फार पिता जब्बार पर 11 लाख 5 हजार, शमाबी पति शफीक पर 58 हजार, कासम पिता मन्नु पर 63 हजार की राशि बकाया होने पर कुर्की की कार्रवाई कर तालाबंदी की गई। इस प्रकार से सभी संपत्तिकर एवं जलकर बकायादारों के विरूद्ध कुर्की एवं तालाबंदी की कार्रवाई 31 मार्च के बाद भी निरंतर की जावेगी।

आयुक्त ने बताया कि करदाताओं की सुविधा के लिए 29 मार्च रविवार को भी संपत्तिकर एवं जलकर के काउंटर निगम में खुले रहेगें। आयुक्त ने बकायादारों से अपील की है कि वे अपने करों का भुगतान कर कुर्की व तालाबंदी जैसी अप्रिय कार्रवाई से बचें।

उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की कीड़ा प्रतियोगिता संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्विश्वविद्यालयीन अधिकारी-कर्मचारियों की राज्यस्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन सागर संभाग के अंतर्गत शासकीय कन्या महाविद्यालय सागर में किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री कृष्ण जी राव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास से डॉ. संजय सिंह बरोनिया ने टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन मे शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिलाई। महाविद्यालय मे वापसी पर महाविद्यालयीन प्राचार्य एवं स्टाफ सदस्यों के द्वारा डॉ बरोनिया का सम्मान किया गया. पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, एस.के.पी. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास के प्राचार्य डॉ. एस.पी.एस. राणा एवं महाविद्यालय के स्टाफ व विद्यार्थियों ने डॉ बरोनिया को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डॉक्टर आरके मराठा डॉक्टर संजय गाडगे डॉक्टर अरुण कुशवंशी डॉ सीमा सोनी डॉ माया ठाकुर डॉ रजत सिंह राठौड़ डॉ राकेश कोटिया एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे यह जानकारी प्रो जितेंद्र सिंह राजपूत द्वारा दी गई।

शराब के नशे में युवक हुआ हादसे का शिकार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सुनेरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना शुक्रवार रात करीब 11 बजे नेशनल हाईवे-52 पर ग्राम अभयपुर स्थित महाकाल ढाबे के पास हुई। घायल युवक ने शराब का अत्यधिक सेवन किया था, जिसके कारण वह अपनी बाइक पर नियंत्रण खो बैठा और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद युवक करीब आधे घंटे तक सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा रहा, लेकिन उसे तत्काल कोई मदद नहीं मिल पाई। इसी दौरान वहां से गुजर रहे युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष जयंत सिकरवार ने स्थिति को देखते हुए तुरंत डायल-112 पर काल कर सहायता मांगी। जब काल करने के बावजूद डायल-112 वाहन समय पर घटनास्थल पर नहीं पहुंचा। इस देरी से नाराज होकर जयंत सिकरवार ने फोन पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा इंसान की जान जा सकती है और आप लोग बहाने बना रहे हैं, तुरंत गाड़ी भेजिए। कुछ देर बाद डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए शाजापुर के जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल की पहचान लड़ावद निवासी विक्रम पिता बहादुर सिंह के रूप में हुई है। युवक का इलाज फिलहाल जारी है।

तेज आंधी के साथ होगी मध्यम व हल्की बारिश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 38 डिग्री तापमान झेल रहे नगरवासियों को एक बार फिर तेज आंधी व बारिश का सामना करना होगा। क्योंकि कल से फिर मौसम बदलेगा और एक सप्ताह तक कहीं-कहीं हल्की या तेज बारिश हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में यह बदलाव हो रहा है। जिसका असर शाजापुर सहित अन्य जिलों में भी रहेगा। जिससे मौसम में ठंडक घुलेगी और गर्मी से लोगों को राहत मिलेगी।

फिलहाल सुबह से तेज धूप निकल रही है जिससे लोगों के पसीने छूट रहे हैं। तो दिन में भी गर्मी के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसर रहा है। शनिवार को भी नगर का अधिकतम तापमान 37.6 व न्यूनतम तापमान 18 डिग्री दर्ज किया गया। इस दिन भी लोगों को गर्मी से परेशान होते देखा गया। लेकिन अब कल से एक सप्ताह तक मौसम पूरी तरह बदल जाएगा। इस दौरान तेज हवाएं भी चलेंगी और हल्की से मध्यम वर्षा संभावित है।

शुक्रवार देर रात को भी ठंडी हवाओं ने नगर को अपना डेरा बना लिया था। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली थी। जिसके चलते लोग मौसम का आनंद लेने घरों से निकले। इस दौरान आसमान पर बादल भी छाए, जिससे लगा कि शायद बारिश होगी लेकिन कुछ देर बाद आसमान साफ हो गया। लेकिन रविवार से पश्चिमी विक्षोभ के कारण के चलते बारिश की संभावना बन रही है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि इस रविवार से अगले रविवार तक नगर में हल्की या मध्यम बारिश होगी। हालांकि बारिश ज्यादा देर नहीं होगी, लेकिन तेज हवाएं जरूर चलेगी जिससे तापमान कम होगा।

आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त दलीप कुमार ने निगम बैठक हाल मे बैठक आहूत कर दिये गये निर्देशों की समीक्षा की साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण गाईड लाईन के क्रम में किये जाने वाले स्वच्छता के विभिन्न कार्यो की जानकारी संबंधितों से ली।

आयुक्त ने स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यो को लेकर की गई तैयारियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से देखा तदअनुसार मुख्य रूप से शहर की बेक लेन सफाई, सौन्दर्यिकरण, नालियों की सफाई, गीले एवं सुखे कचरे का प्रथक्कीकरण, खुले प्लाटों की सफाई, सीएनडी वेस्ट, ग्रीन–री एवं नालों के आसपास जालियां लगाने एवं नेट लगाने, सिवरेज लाईन का सफाई कार्य जिसमें चेम्बरों से ओव्हर फ्लो, सिवरेज के पानी का निराकरण पर विशेष फौकस देते हुए प्र.स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी, सहायक यंत्री जगदीश वर्मा एवं सभी स्वच्छता निरीक्षकों को 1 हफ्तें मे सुधार कार्य किये जाने के निर्देश दिये।

स्वच्छता के कार्यो मे लगने वाले उपकरणों की व्यवस्था, डोर–टु–डोर कचरा वाहनों मे सुधार के साथ वार्ड के सभी दरोगाओं को जिन वार्डो से कचरा संग्रहण वाहनों में गीला, सुखा कचरा एक साथ मिक्स होकर आ रहा है उन वार्डो को चिन्हीत कर नागरिकों का समझाईश दिये जाने के साथ ही जिन रेस्टोरेंट, अस्पतालों, मैरीज गार्डनों से मिक्स कचरा पाये जाने पर चालानी कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिये।

शहर के प्रमुख चौराहे, चाट चौपाटी, पान दुकानों के रेड स्पॉट चिन्हीत कर सुधार करवाये जाने के निर्देश स्वच्छता निरीक्षकों को दिये। शहर के सार्वजनिक शौचालयों, मुत्रालयों की सफाई के साथ रात्रीकालीन सफाई व्यवस्था पर भी फौकस दिये जाने हेतु कहा।

जिन स्थानों पर नई सिवरेज लाईन के कनेक्शन नही हुए है तथा जिन वार्डो में सिवरेज लाईन के चेम्बर चौक है उनकी सफाई करवाये जाने के निर्देश सहायक यंत्री श्री वर्मा को दिये। जिन वार्डो मे पीने के पानी की नई लाईन डाली जा चुकी है, पुरानी लाईन से नल कनेक्शन नही हटाये गये हैं लूज नल कनेक्शनों के कारण कुछ स्थानों से गंदे पानी की शिकायत प्राप्त होने पर उपयंत्री राजेश कौशल को त्वरित निराकरण तथा उन वार्डो में नई लाईन से नल कनेक्शन करवाये जाने के निर्देश दिये। आयुक्त ने दरोगाओं को अपने वार्ड में स्वच्छता, पीने के पानी, सिवरेज कनेक्शन एवं गीले, सुखे कचरे को लेकर वार्ड के रहवासियों से फीडबेक लें। फीडबेक मे प्राप्त समस्याओं का निराकण करवाना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान आयुक्त ने कहा कि दिये गये निर्देशों के कार्यो की समीक्षा आगामी बैठक में की जावेगी। कार्य मे लापरवाही करने पर कार्रवाई किये जाने हेतु कहा।

राजस्थान के सांवरिया सेठ मंदिर की तरह सजा मां का दरबार

नवरात्रि के अंतिम दिन हुई आकर्षक आतिशबाजी, हजारों भक्त बने अविस्मरणीय पल के साक्षी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मां राजराजेश्वरी माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया और पूरी नवरात्रि में भक्तों ने शक्ति की भक्ति की। अंतिम दिन लाईव प्रसारण का जिम्मा संभालने वाले रोहित विश्वकर्मा की टीम द्वारा वो नजारा दिखाया गया जो नगरवासियों के लिए कभी न भूल पाने वाला लम्हा बन गया।

शुक्रवार को एबी रोड स्थित मां राजराजेश्वरी माता मंदिर पर नवमी की आरती हुई, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। अंतिम दिन हुई महाआरती को विशेष व आकर्षक बनाने के लिए रोहित विश्वकर्मा व उनकी टीम द्वारा आकर्षक आतिशबाजी की गई। जिसे देखकर हर किसी ने इसकी सराहना की। श्री विश्वकर्मा ने बताया कि उन्होंने कई दिनों पहले से यह तय कर लिया था कि अंतिम दिन होने वाली महाआरती को वे विशेष बनाएंगे और कुछ अलग करेंगे। विश्वकर्मा की टीम के इस नवाचार की सभी ने सराहना की।

सांवरिया सेठ की तरह सजाया माता का दरबार - राजस्थान राज्य में स्थित श्री सांवरिया सेठ जी के मंदिर में हर जन्माष्टमी पर प्रभु के जन्मोत्सव पर इसी तरह की आतिशबाजी की जाती है। जिसके साक्षी हजारों श्रद्धालू बनते हैं। इसी तर्ज पर इस बार माता के दरबार में आतिशबाजी की गई। यह नजारा देखने के लिए मंदिर में हजारों लोग पहुंचे।

मुख्यमंत्री संबल योजना अन्तर्गत 12 हितग्राही हुए लाभान्वित परिवाजनों को मिले 28 लाख

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अन्तर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा 26 मार्च को संबल योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया।

प्रदेश की जनकल्याण योजनाओं में मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के अन्तर्गत प्रदेश स्तर पर हितग्राहियों को छिंदवाडा मे आयोजित कार्यक्रम से सिंगल क्लीक कर डीबीटी के माध्यम से लाभ वितरण किया।

इसी अन्तर्गत मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अनुग्रह सहायता राशि वितरण का लाईव प्रसारण निगम बैठक हाल में देखा एवं सुना गया। निगम बैठक हाल में आहूत कार्यक्रम के अन्तर्गत विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा 12 हितग्राहियों के परिवारजनों को संबल योजना के अन्तर्गत स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। जिसमें सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख, दुर्घटना मे मृत्यु होने पर 4 लाख कुल 12 हितग्राहियों को राशि रूपये 28 लाख के स्वीकृति पत्रों का वितरण हितग्राहियों के परिवारजनों को किया गया।

इस अवसर पर पार्षद दिपेश कानूनगो, पार्षद प्रतिनिधि निलेश वर्मा, भाजपा नेता विपुल अग्रवाल, जितेन्द्र जायसवाल, निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी, श्रम विभाग से जसपालसिंह, निगम एनयुएलएम शाखा से विशाल जगताप, सुनिल जोशी, मुजफ्फर अली, रवि चौधरी, राकेश चौहान व बडी संख्या मे हितग्राहियों के परिवाजन उपस्थित रहे।

गुलाबपुरा एवं बक्षराज फेक्ट्री मे धारदार चाकु लेकर लोगो को डराने वाले आरोपियों को बडनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से प्रथक प्रथक 1-1 लोहे का धारदार चाकु जप्त

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के कुशल निर्देशन में जिले में अपराधियों की धरपकड हेतु विशेष प्राथमिकता दी जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिषेक रंजन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बड़नगर महेन्द्र सिंह परमार के मार्गदर्शन मे थाना बडनगर के थाना प्रभारी बडनगर निरी. अशोक कुमार पाटीदार व टीम द्वारा दिनांक 27.03.2026 को आरोपी पप्पु उर्फ बब्बु पिता बद्रीलाल डामर डाति भील उम्र 35 साल निवासी गुलाबपुरा बडनगर एवं सनी वसुनिया पिता शम्भु वसुनिया जाति भील उम्र 23 साल निवासी शिवगढ थाना शिवगढ हाल मुकाम बक्षराज फैक्ट्री बडनगर को पकडा गया।

घटना का विवरण

दिनांक 27.03.2026 को सुचना मिली की गुलाबपुरा बडनगर में दरगाह के सामने एवं बक्षराज फेक्टी में एक व्यक्ति अपने हाथ मे धारदार चाकु लिये आने जाने वाले लोगो को डरा धमका रहे है जिस पर थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक पाटीदार द्वारा मौके पर अलग अलग पुलिस टीम भेजकर आरोपी पप्पु पिता बद्रीलाल डामर डाति भील उम्र 35 साल निवासी गुलाबपुरा बडनगर से लोहे के धारदार चाकु एवं सनी वसुनिया पिता शम्भु वसुनिया जाति भील उम्र 23 साल निवासी शिवगढ थाना शिवगढ हाल मुकाम बक्षराज फैक्ट्री बडनगर को धारदार चाकू सहित पकडा आरोपियों से चाकू जप्त कर आरोपी सनी वसुनिया के विरूध्द थाना बडनगर पर अप.क्र.161/2026 एवं पप्पु डामर के विरूद्ध थाना बडनगर पर अप.क्र.163/2026 धारा 25 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । आरोपी पप्पु डामर अपराधिक के विरूद्ध पूर्व के भी 02 अपराध धारा 25 आर्म्स एक्ट के पंजीबद्ध है ।

आरोपी पप्पु उर्फ बब्बु के विरूध्द माननीय न्यायालय बडनगर से स्थाई वारंट जारी होकर करीब 09 माह से फरार था जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकडा ।

आपराधिक रिकार्ड- पप्पु पिता बद्रीलाल डामर डाति भील उम्र 35 साल निवासी गुलाबपुरा बडनगर

सराहनीय भूमिका- उक्त प्रसंशनीय कार्य में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार, उनि हेमंत कटारे, उनि चाँदनी पाटीदार, प्र.आर. राहुल सिंह राठौर, हेमराज खरे, आर. रोहीत मालवीय, सैनिक गोवर्धन डाबी की सराहनीय भुमिका रही।

जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा सकल जैन श्रीसंघ के सान्निध्य में भगवान महावीर जन्म कल्याणक की पांच दिवसीय परिकल्पना का श्रीगणेश

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव को पांच दिवसीय भव्यता प्रदान करने हेतु सकल जैन श्रीसंघ के बैनर तले कल स्थानीय महावीर भवन में सामुहिक व्रहद नवकार महामंत्र जप आराधना का आयोजन रखा गया। इस आयोजन के दौरान प्रभावना का लाभ बिरलाग्राम निवासी भूमित रांका परिवार ने लिया । महामांगलिक ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम द्वारा श्रवण कराई गई। कार्यक्रम का संचालन प्रशांत नाहर ने किया एवं आभार अमित बम ने माना। इस अवसर पर श्रेणिक बम, संजय मुरडिया, राजा कर्नावट, रवि संघवी , मनोज वागरेचा, पंकज पावेचा, सचिन सकलेचा, रमेश तांतेड, उमेश दलाल, राकेश ओरा, दीपक गांग, जितेश भण्डारी, निर्मल भटेवरा, आत्माराम राठौर, शर्मिला बंम, विभा बम, सारिका कर्नावट, प्रतिभा वागरेचा, प्रतिभा ओरा, खुशबू रांका सहित लगभग दो सौ धर्मावलंबी उपस्थित थे ।

समाज सेवी ढोढरिया का हदय गति रुकने से निधन

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेंल धाकड़ समाज मे पिछ्ले कई वर्षो से समाज की सेवा में कार्यरत दिनेश ढोढरिया का दिल का दौरा अटेक आने से निधन हो गया वह समाज सेवा के साथ में धार्मिक कार्यक्रमों में भी हमेशा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे सावन के माह में कार्तिक चौक स्थित भोलेनाथ मंदिर पर पूरे सावन माह में अभिषेक करवाते थे रामनवमी पर श्री राम मंदिर पर राम जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता है जिसमें पिछ्ले कई वर्षो से पंजीरी प्रसाद ढोढरिया द्वारा ही बनाई जाती थी कल भी सुबह से ही उन्होंने प्रसाद बनवाई और आरती में भी सम्मिलित हुए आरती के बाद सांस लेने में दिक्कत होने की वजह से परिजन हॉस्पिटल ले गये लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

गौ रक्षा दल ने विधायकों को सौंपा ज्ञापन पत्र

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गौ रक्षा दल मध्य प्रदेश (जिला नीमच) द्वारा जिले के विधायकों के नाम महत्वपूर्ण मांग पत्र लिखा गया है। इस ज्ञापन के माध्यम से दल ने गौवंश के संरक्षण, गौशालाओं को आर्थिक मजबूती देने और आगामी त्योहारों के मद्देनजर अवैध गौ-तस्करी पर सख्ती से अंकुश लगाने की मांग की है।

विधायक निधि से सहयोग की अपील- गौ रक्षा दल के जिला अध्यक्ष अंकित जोशी और जिला प्रवक्ता सोहनलाल छाजेड़ द्वारा जारी इस पत्र में नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा और मनासा विधायक अनिरुद्ध मारू को संबोधित करते हुए आग्रह किया गया है कि वित्तीय वर्ष (मार्च) की समाप्ति को देखते हुए विधायक निधि का उपयोग क्षेत्र की गौशालाओं को अनुदान देने और गौवंश (गाय, बैल, बछड़े) की रक्षा हेतु किया जाए।

तस्करी रोकने हेतु प्रशासन से सख्ती की मांग- ज्ञापन में चिंता जताई गई है कि आगामी त्योहारों के मद्देनजर पड़ोसी राज्यों और स्थानीय स्तर पर गौवंश की तस्करी की आशंका बढ़ गई है। दल ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के गौ रक्षकों से मिली जानकारी के अनुसार तस्करी की गतिविधियां तेज हो गई हैं।

प्रमुख मांगें- मध्य प्रदेश के गौ रक्षा कानून को पुलिस और प्रशासन के माध्यम से सख्ती से लागू किया जाए।

तस्करी के दौरान पकड़े गए या जब्त किए गए गौवंश को जिले की विभिन्न गौशालाओं में सुरक्षित भिजवाने की स्थाई व्यवस्था हो।

राम जन्मोत्सव पर भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। राम जन्मोत्सव के शुभ अवसर अखिल भारतीय साहित्य परिषद इकाई बड़नगर द्वारा काव्य गोष्ठी एवं मौलिक विचार अभिव्यक्ति कार्यक्रम मां गायत्री मंदिर जूनी कचहरी में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गायत्री परिवार तहसील संयोजक शिवकांत पांडे,विशेष अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश माहेश्वरी एवं अध्यक्षता प्रमोद पंचोली द्वारा की गई। शुभारंभ मां वीणा पाणी की वंदना से दीपक नागर ने किया। कवयित्री राधा परमार ने बृज की गुजरिया सुंदर गीत से गोष्ठी का आगाज किया। रेखा राठौड़ ने सुंदर कविता नर में न कोई राम बचा न नारी में कोई सीता व्यंग्य रचना का पाठ किया। सुरेश उबाल शैलेन्द्र सिंह सोम ने कैसे करे गौ माता को राष्ट्र माता जब लट्ठ तुम्हारे हाथ से नहीं जाती करुणा ने शंकर तेरे नंदी कत्ल खाने में काटे जाते है वीर रस की कविता पढ़ी।

प्रसिद्ध वक्ता रुकनुद्दीन रजा ने अपने उद्बोधन में कहा कि राम चित्र में नहीं चरित्र में बसाने की जरूरत है। सुनीता भाटी ने श्रृंगार गीत राम तेरे नाम से पत्थर भी तर गए गाया। डा. एम नज़र भाई बोहरा ने ग़ज़ल राम ही ऐसा पथ है जिस पर राम ही चले सदा,जब रामराज्य आया तो राम ही चले गए सुनाई। गीत सुनाकर खूब दाद बटोरी। नंदकिशोर अग्निहोत्री ने मुक्तक रचना गिरबी रखा है,देश का हर आदमी सुनाई। सनत जैन ने राम के विराट स्वरूप को दया, करुणा,प्रेम के साथ वीरता के मणि कांचन संयोग के रूप में बताया। प्रसिद्ध शायर शमशाद ज़ख्मी ने प्रेम रस में डूबी ग़ज़लों के शेर सुनाकर खूब बधाई पाई। हीरालाल सोनारतीया ने बेटी की बिदाई गीत प्रस्तुत कर माहौल गमगीन कर दिया। नीलेश ओरा,विनोद मकवाना,उमाशंकर मेहता, ओम प्रकाश भाटी ने भी प्रभु राम जन्मोत्सव पर विचार प्रकट किए। कार्यक्रम का सुंदर संचालन खेमराज माहेश्वरी ने किया। अंत में आभार जयंत पंचोली ने माना।

नागदा में 'अंजुली' अभियान से गूंजा जल संरक्षण का संदेश, बच्चों से लेकर नागरिकों तक जागरूकता की पहल

नागदा/ अनुज नाहर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व जल दिवस 2026 के अवसर पर भारतीय जैन संघटना के नागदा चैप्टर द्वारा अंजुली अभियान के तहत शहर में तीन दिवसीय जल संरक्षण को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों और आम नागरिकों को जल के महत्व तथा उसके संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता -- कार्यक्रम के पहले दिन के अंतर्गत कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए जल का महत्व विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें लगभग 22 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपने रचनात्मक पोस्टर्स के माध्यम से जल संकट और संरक्षण का प्रभावी संदेश प्रस्तुत किया।

इन्होने मारी बाजी - प्रतियोगिता में सुदिक्षा चपलोत ने प्रथम, काव्या बम ने द्वितीय, तथा सम्मेद मारू और निवि जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को नगद पुरस्कार तथा शेष सभी बच्चों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए ।

सोश्यल मीडिया से भी जागरूकता का संदेश - इस अवसर पर दूसरे दिन सोशल मीडिया के माध्यम से भी जागरूकता फैलाने के लिए वीडियो क्लिप्स साझा किए गए, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक जल बचाने का संदेश पहुंचाया जा सके। इसके अलावा, शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर जल संरक्षण से संबंधित संदेश वाले बैनर भी लगाए गए, जो नागरिकों को लगातार प्रेरित कर रहे हैं।

तीसरे दिन अभियान के तहत वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज स्तर पर और व्यक्तिगत स्तर पर भी लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही, मध्यप्रदेश सरकार के जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर भविष्य में जनभागीदारी से जल संरक्षण कार्यों को गति देने पर चर्चा की गई।

क्या बोले संस्था के पदाधिकारी - संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि आने वाले समय में नागदा में जल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को और अधिक व्यापक रूप दिया जाएगा, ताकि हर नागरिक इस अभियान से जुड़कर जल बचाने की दिशा में योगदान दे सके।

करी अपील - अंत में बीजेएस नागदा चैप्टर ने शहरवासियों से अपील की कि वे जल का सदुपयोग करें और जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित रखें।

हाई सेकेंडरी स्कूल बड़ावदा में बच्चों को दिए गए अंक कम

एक योग्य शिक्षक द्वारा मिडिया को दी गई जानकारी

बड़ावदा /प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हाई सेकेंडरी स्कूल में बच्चों को आंतरिक मूल्यांकन के अंक कम मिलने की शिकायत स्वयं शिक्षक ने मीडिया कर्मियों को दी

प्राप्त जानकारी के अनुसार - कक्षा नवी एवं ग्यारहवीं के विद्यार्थियों को दिए गए 28 से 30 अंक कम मिले।

शिक्षक सुरेश व्यास ने बताया कि चार-पांच टॉपर बच्चे जिनको लगभग 60 अंक मिलने थे उन बच्चों को 32 अंक कम मिले उन्होंने शिक्षक कृष्ण पाल त्रिपाठी पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके द्वारा गड़बडी की गई है।

पूर्व में सभी छात्रों की सूची मंगाई गई थी परंतु सूची के मान से अंक नहीं दिए गए।

प्राचार्य गोविंद सिंह मालीवाड़ का कहना है कि पूर्व में 25 अंक के मान से अंक देना थे शासन के निर्देश के अनुसार बदलाव कर 15 अंक के मान से अंक देना निर्धारित किया गया जिसके चलते त्रुटि हुई है।

इधर इनका कहना है - त्रुटि सुधार का कार्य किया जा रहा है बच्चों को त्रुटि सुधार के ही मार्कशीट दी जाएगी।

-कृष्ण पाल त्रिपाठी

पंचकुटी यज्ञ का भव्य समापन, बहन-बेटियों के सम्मान में उपहार भेंट कर लिया आशीर्वाद

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खरसोद कला में आयोजित पंचकुटी यज्ञ का समापन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। पांच दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में पूरे गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। समापन अवसर पर यज्ञ स्थल पर भक्तिभाव, वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक वातावरण का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिससे पूरा गांव आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा।

समापन समारोह के दौरान समाजसेवी लखन दशरथ पाटीदार द्वारा एक प्रेरणादायक पहल करते हुए यज्ञ में पधारे पंडितों, अतिथियों एवं घर पर आई बहन-बेटियों को सम्मान स्वरूप उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस अवसर पर उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि हमारे जीवन में बहन और बेटियों का विशेष स्थान होता है। जब वे हमारे घर आती हैं तो खुशियों की बहार लेकर आती हैं। वे हमसे कभी कुछ नहीं मांगतीं, लेकिन एक भाई का कर्तव्य है कि वह समय-समय पर उनका सम्मान और स्नेह प्रकट करे। आज मुझे गर्व और सौभाग्य की अनुभूति हो रही है कि मुझे यज्ञ जैसे पावन अवसर पर यह सेवा करने का अवसर मिला।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से न केवल आस्था मजबूत होती है, बल्कि समाज में पारिवारिक संस्कार, आपसी प्रेम और सम्मान की भावना भी विकसित होती है।

इसी क्रम में हरिओम शांतिलाल नकालजा द्वारा भी पंडितों एवं बहन-बेटियों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। उनके इस कार्य की उपस्थित जनसमूह द्वारा सराहना की गई और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया गया।

यज्ञ के दौरान प्रतिदिन विधि-विधान से हवन-पूजन, कथा एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें आचार्यों द्वारा यज्ञ के महत्व और उसके आध्यात्मिक लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। समापन अवसर पर पूर्णाहुति के साथ क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं समृद्ध भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम में गांव के वरिष्ठजन, युवा वर्ग, महिलाएं एवं बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन की सफलता में ग्रामवासियों, समिति के सदस्यों एवं सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

देवनारायण के दरबार में भंडारा संपन्न

रात्र को संध्या सुबह भंडारा जिला पंचायत अध्यक्ष पूर्व विधायक हुए शामिल

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया शाजापुर जिले के ग्राम मदाना गांव स्थित बडला वाले देवनारायण भगवान के मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन आयोजित किया गया था जहां पिछले 9 दिनों से चेती नवरात्रि का पर्व बड़ी सादगी के साथ मनाया जा रहा था नवरात्रि के समापन अवसर पर शुक्रवार रात्रि को भजन संध्या का आयोजन आयोजित किया गया था और शनिवार को सुबह 10 बजे से भंडारे का आयोजन प्रारंभ कर दिया गया था जहां भंडारे के आयोजन से पहले भगवान देवनारायण के मंदिर में महा आरती का आयोजन किया गया था उक्त भंडारे के आयोजन में शाजापुर जिला पंचायत के अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाडा महाराणा प्रताप युवा संगठन के जिला अध्यक्ष प्रकाश मेवाड़ा भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सूरज सिंह सिसोदिया मंडल उपाध्यक्ष भादर सिंह मेवाडा ग्राम पंचायत बडाडी गांव के पूर्व सरपंच देवकरण गुर्जर मीडिया प्रभारी रोशन मेवाड़ा सहित बड़ी संख्या में आसपास ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं शामिल हुए थे जहां आरती के बाद बैठक भी की गई थी मदाना के हजारीलाल पंडा जी के शरीर में भगवान देवनारायण आते उनके द्वारा भविष्यवाणी करते हुए कहां की फसलों का भाव अच्छा आएगी आंधी तूफान कोहराम मचाएगी बारिश अच्छी होगी खाद्यान्न सामग्री का रेट बढ़ेगा राजनीतिक क्षेत्र में समय रहते संभल गए तो ठीक है अन्यथा उलट फेर भी हो सकता है जैसी भविष्यवाणी भी की यह मंदिर समिति के लखन सिंह सोलंकी द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों का भी साफा बांधकर स्वागत किया गया या विशाल भंडारे के आयोजन में ग्राम मदाना बाडी गांव इमली खेड़ा सलसलाई खरसोदा चौकी सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं बड़ी संख्या में एकत्रित हुए थे।

श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट ने किया शोभा यात्रा का स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया शुक्रवार को भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर श्री राम नाम की गुंज सुनाई दी शाम 5 बजे से मां अन्नपूर्णा मंदिर जाटपुरा से शोभायात्रा प्रारंभ हुई शोभा यात्रा का टप्पा चौराहा पहुंचने पर श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट अकोदिया एवं महिला मंडल द्वारा स्टॉल लगाकर ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल के नेतृत्व में शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का आइसक्रीम का वितरण कर स्वागत किया गया इस अवसर पर नगर मीडिया प्रभारी संजय शर्मा दीपक अग्रवाल दीपक सोनी गोलू गुप्ता महिला मंडल जिला अध्यक्ष बिंदु सोनी नगर अध्यक्ष मीनाक्षी चौरासिया हनी गुप्ता ममता धाकड़ नीलम चौरासिया रीता अग्रवाल शशि सूर्यवंशी मुस्कान खत्री सहित श्याम प्रेमी उपस्थित रहे।इस दौरान आयोजन स्थल जय श्री राम जय श्री श्याम के जय करो से गूंज उठा।

महिलाओं से संबंधित अपराध में कानून बहुत सख्त - जिला न्यायाधीश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद कार्यालय बदनावर के सभा कक्ष में आज विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया शिविर में जिला न्यायाधीश जी सी मिश्रा मानव अधिकार एक्टिविस्ट एवं पीएलवी जयेश राजपुरोहित आंगनबाड़ी सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती मानकुंवर परिहार मंचासीन थे शिविर को संबोधित करते हुए जिला न्यायाधीश ने बताया की महिलाओं से संबंधित अपराध में कानून बहुत सख्त हैं।

महिला की इच्छा के विरुद्ध उसे छूना या घूर कर देखना तक दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है साथ ही लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पोक्सो) के प्रावधानों के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा कि यदि 18 वर्ष से कम आयु किसी भी बच्चों के साथ लैंगिक अपराध घटित होता है तो इस कानून के अंतर्गत कठोर दंड का प्रावधान है साथ ही न्यायाधीश ने घरेलू हिंसा अधिनियम ,भरण पोषण अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम आदि कानून के प्रावधानों एवं दंड के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए इन कानून के अंतर्गत की जाने वाली कार्यवाही के बारे में बताया गया।

अधिकारों के साथ- साथ अपने कर्तव्यों को भी निर्वहन करने के बारे में बताया एवं कहा गया कि कर्मण्यता व सहनशीलता रखना चाहिए छोटी-छोटी बातों पर अनावश्यक विवाद नहीं करना चाहिए साथ ही महिला संबंधित कानून का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए

जयेश राजपुरोहित ने शिविर में संबोधित करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को फील्ड में आने वाली व्यवहारीक परेशानियो को किस तरह से हल किया जा सकता है इस बारे में जानकारी दी साथ ही महिला हेल्पलाइन आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया शिविर में सभी आंगनवाड़ी सुपरवाइजर , बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ,सहायिका ,नायब नाजीर शांतिलाल कलमें , शेखर रिन , न्यायालय कर्मचारी उपस्थित थे सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती मानकुंवर परिहार द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

सकलेचा ने उठाई सीधी रेल सेवा की मांग - खाटू श्याम की सीधी ट्रेन सुविधा से नागदा वंचित

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा, विशेषकर ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बढ़ती यात्रा मांग को देखते हुए लक्ष्मीबाई नगर (इंदौर) से श्रीगंगानगर के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन खाटू श्याम धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सीधी रेल सेवा उपलब्ध कराएगी, जिससे मालवा क्षेत्र के श्रद्धालु बिना किसी अतिरिक्त बदलाव के सीधे रींगस के माध्यम से खाटू श्याम मंदिर पहुंच सकेंगे।

हर बार नागदा की अनदेखी क्यू - सकलेचा ने कहा है कि इस सुविधा से एक बार फिर नागदा क्षेत्र को वंचित रखा गया है, जिससे स्थानीय यात्रियों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है।

नागदा को नजरअंदाज करने पर बढ़ा आक्रोश समाजसेवी राजेश सकलेचा ने रेलवे प्रशासन के इस निर्णय पर नाराजी जताते हुए कहा कि ट्रेन को वाया फतेहाबाद-रतलाम संचालित करने के बजाय उज्जैनङ्कनागदाङ्करतलाम रूट से चलाया जाना चाहिए था, जिससे हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलता।

रेलवे हर बार की तरह इस बार भी नागदा की उपेक्षा कर रहा है, जबकि नागदा एक प्रमुख औद्योगिक नगरी है और यहां देश के विभिन्न राज्यों के लोग निवास करते हैं। यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री दिल्ली, कोटा, जयपुर, मुंबई और गुजरात जैसे प्रमुख शहरों की ओर यात्रा करते हैं।

औद्योगिक नगरी होने के बावजूद नहीं मिला लाभ - नागदा की पहचान एक बड़े औद्योगिक केंद्र के रूप में है, जहां स्थित उद्योगों के कारण रोजगार और आवागमन दोनों का दबाव अधिक रहता है। इसके बावजूद रेलवे द्वारा बार-बार इस क्षेत्र को महत्वपूर्ण ट्रेनों की सुविधा से वंचित रखा जाना स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है।

स्थानीय संगठनों का कहना है कि यदि इस ट्रेन का संचालन नागदा मार्ग से किया जाए तोः

यात्रियों का समय बचेगा
रेलवे की आय में वृद्धि होगी
क्षेत्रीय संतुलन बना रहेगा

ट्रेन का संचालन एवं समय सारिणी

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा जारी जानकारी के अनुसारः

ट्रेन संख्या 04735 (श्रीगंगानगर- लक्ष्मीबाई नगर स्पेशल)

प्रत्येक गुरुवार, 02 अप्रैल 2026 से 09 जुलाई 2026 तक

प्रस्थानः श्रीगंगानगर - 12:50 बजे

आगमनः लक्ष्मीबाई नगर (इंदौर) - शुक्रवार 09:55 बजे

ट्रेन संख्या 04736 (लक्ष्मीबाई नगर- श्रीगंगानगर स्पेशल)

प्रत्येक शुक्रवार, 03 अप्रैल 2026 से 10 जुलाई 2026 तक

प्रस्थानः लक्ष्मीबाई नगर - 13:55 बजे

आगमनः श्रीगंगानगर - शनिवार 12:20 बजे

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चित्तौड़गढ़, नीमच, मंदसौर, रतलाम, फतेहाबाद सहित अजमेर, रींगस, सीकर, चूरू, हनुमानगढ़ आदि प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

खाटू श्याम भक्तों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा

यह ट्रेन विशेष रूप से खाटू श्याम धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए लाभकारी है, क्योंकि रींगस स्टेशन से मंदिर की दूरी कम है और यहां से आसानी से पहुंचा जा सकता है। इससे मालवा क्षेत्र के भक्तों को बड़ी राहत मिलेगी—लेकिन नागदा को इस सुविधा से बाहर रखने पर सवाल उठ रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों से हस्तक्षेप की मांग - राजेश सकलेचा ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और रेलवे प्रशासन से मांग की है किः

इस साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को लक्ष्मीबाई नगर- उज्जैन- नागदा- रतलाम रूट पर संचालित किया जाए

नागदा को भी खाटू श्याम की सीधी रेल सेवा से जोड़ा जाए

उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर निर्णय नहीं लिया गया, तो क्षेत्रीय स्तर पर पत्र लीखो अभियान पुनः शुरू किया जा सकता है।

नागदा जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक और यात्री केंद्र का प्रमुख स्टेशन होने के कारण रेलवे को इस और शिघ्र ध्यान देना चाहिये अब देखना यह होगा कि जनदबाव और मांगों के बाद रेलवे प्रशासन इस निर्णय पर पुनर्विचार करता है या नहीं।

गुजराती सेन समाज का 41वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन सामाजिक न्यायिक परिसर उज्जैन में संपन्न हुआ

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी कुलदीप वर्मा व सम्मेलन प्रभारी मनीष गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि भरत जी भाटी व सम्मेलन अध्यक्ष बाबूलाल जी परमार के संयोजन में हुए सामूहिक विवाह समारोह में 36 जोड़ों का पाणीग्रहण संस्कार किया गया। जिसमें कन्यादान में सोने के दाने का मंगलसूत्र, चांदी की बिछुड़ी, गोदरेज अलमारी ,सोफा सेट, डबल बेड, बर्तन, प्रेशर कुकर, बिस्तर सेट व अन्य सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की गई।

कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम भगवान् श्री राम जी व सेन जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर की गई। मध्य प्रदेश गुजराती सेन समाज कल्याण समिति व रजिस्टर्ड युवा संगठन उज्जैन के तत्वाधान मे समाज के इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में अन्य प्रदेश व जिले जैसे उज्जैन, इंदौर, देवास, रतलाम, शाजापुर, मंदसौर, नीमच, झालावाड़ (राज.), से प्रदेश के 36 जोड़े शामिल हुये। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन दुर्गाशंकर देवड़ा एवं महेंद्र वर्मा बाहुबली ने किया।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि उज्जैन उत्तर विधायक अनिल जी जैन कालूहेड़ा, विधायक महेश जी परमार,निगम सभापति कलावती जी यादव, कार्य परिषद सदस्य विश्वविद्यालय राजेशसिंह जी कुशवाह रहे। विशेष अतिथि प्रेस क्लब अध्यक्ष नंदलाल जी याादव, नेता प्रतिपक्ष रवि जी राय, पार्षद सुशील जी श्रीवास, वरिष्ठ प्रदेशाध्यक्ष अशोक जी सोलंकी, युवा प्रदेशाध्यक्ष बालकृष्ण वर्मा, लखन वर्मा, भरत वर्मा संतोष वर्मा सांवेर संजय वर्मा लोद,शैलेन्द्र वर्मा, राजेश लक्की, विक्रम भाटी,शिव भाटी,जितेन्द्र राठौर, सोहन भाटी,जितेन्द्र बालाजी, विष्णु वर्मा, शंकर चौहान, सागर सेन, संदीप वर्मा, दीपक वर्मा, विजय रॉयल, ओम वर्मा रूलकी, अशोक वर्मा पर्व, ओम वर्मा, पंकज वर्मा, दिनेश दानीगेट, संजय रंथभंवर, संजय चौहान,राजेश गहलोत, परमानंद सेन, महेश भाटी, कांतिलाल परमार, अशोक परमार, सचिन भाटी, राहुल भाटी, नाना भाटी, अशोक परमार,मनोज परमार, गोविन्द वर्मा, ओम रंथभंवर, मिथिलेश सेन, हेमंत सेन समाज के हजारो की संख्या मे समाजजन शामिल हुए। एवं अंत में आभार जीतेंद्र सेन सारोला ने माना।

सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे पत्थरो से भरे ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्राले

सिंगोली पुलिस की हिदायत नही चलेंगे अवैध ओवरलोड टेक्टर

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माइनिंग ओर,आरटीओ की उदासीनता के चलते ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्राली सड़कों पर बेलगाम होकर मौत बनकर दौड़ रही है। दिन रात सिंगोली से निकलकर जिले में ओवरलोडिंग का खेल शुरू हो जाता है। बड़े बड़े पत्थरो से खचाखच ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्राली शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रो में आसानी से पास हो जाते हैं। लोगों का आरोप है कि यह माइनिंग और आरटीओ की कमाई का जरिया बन चुके हैं।

ओवरलोड वाहन से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। इसके बावजूद आरटीओ ओर माइनिंग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

जब कि बीते दिन सिंगोली थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह वर्मा द्वारा पाँच पत्थरो से खचाखच ओवरलोड टेक्टरों की चालानी कार्यवाही करते हुए उन्हें कड़े शब्दों में पत्थरो से ओवरलोड टेक्टर क्षेत्र में नही चलाने की हिदायत दी है ।

कांग्रेस नेता बाल किशन धाकड़ ने बताया कि नियमानुसार ट्राले का रजिस्ट्रेशन केवल कृषि कार्यों को करने के लिए हो सकता है, लेकिन फिर भी जिले भर में अवैध रूप से ट्रालों का संचालन हो रहा है। इन टेक्टर ट्रालियों में भारी मात्रा में बड़े बड़े पत्थरो से ओवरलोड मुख्य सड़क मार्ग पर गुजरते समय सड़क पर निकलने वाले मुसाफिरों को मौत के घाट उतरना पड़ रहा है ।

कांग्रेस नेता श्री धाकड़ ने बताया कि इन ओवरलोड टेक्टर सड़क पर गुजरते समय इसमें आगे और पीछे का कुछ भी नहीं दिखाई देता।

उनका आरोप है कि माइनिंग , पुलिस और आरटीओ इसे अनदेखा करते हैं। इससे वाहन संचालकों के हौसले बुलंद हैं।

सिंगोली थाना प्रभारी श्री वर्मा ने बताया कि ओवरलोड होकर टेक्टर ट्राली का संचालन पूर्ण रूप से अवैध है। केवल कृषि कार्यों के लिए ही ट्रैक्टर-ट्राली का संचालन कराया जा सकता है। इससे कॉमर्शियल वाहन के रूप में प्रयोग नहीं कर सकते। ऐसे सभी वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी और अवैध रूप से चलने वाले वाहनों को सीज किया जाएगा।

राधे नाम लेने से भवसागर पार हो जाता है- पंडित भीमाशंकर शास्त्री

माता सती ने अपने पति महादेव के अपमान सहना सकी और यज्ञ की अग्नि में अपना शरीर भस्म कर लिया- सती चरित्र महात्म्य

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राधे नाम की महिमा कितनी है इसका सारांश बताते हुए कहते हैं कि एक नास्तिक से एक संत ने राधे नाम स्मरण करने को कहा परंतु उसने नहीं मानी श्री संत ने कहा कि जब अंत समय आए जब राधे नाम का स्मरण कर लेना उसने ऐसा ही किया जब यमराज उसे यमलोक में ले गए तो उसने यमराज से पूछा राधे नाम की महिमा क्या है वह भी इसका उत्तर नहीं दे सके तो इंद्रदेव के पास पहुंचे परंतु इंद्रदेव भी इसका जवाब नहीं दे सके तो फिर ब्रह्मा जी के पास पहुंचे परंतु ब्रह्मा जी भी इसका उत्तर नहीं दे सके नास्तिक को पालकी में विराजित हो बाबा महादेव के पास ले गए एवं तीनों भगवान पैदल चलते हुए पहुंचे जब महादेव से इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि राधे नाम का जाप करने से नास्तिक पालकी में विराजमान होकर आप पैदल मेरे पास आए यह इसकी महिमा है।

उक्त बात श्री सांवरिया सेठ जन कल्याण सेवा संस्था द्वारा श्रीमद् भागवत कथा एवं 51कन्याओं का निःशुल्क विवाह समारोह के द्वितीय दिन पंडित भीमाशंकर शास्त्री के मुखारविंद से कहते हुए सती चरित्र के महात्म्य कहते हुए कहा सती, प्रजापति दक्ष की पुत्री थीं। वे भगवान शिव की परम भक्त थीं और उन्होंने कठोर तपस्या करके शिव से विवाह किया था। लेकिन दक्ष प्रजापति को शिव का वैरागी होना और वेशभूषा पसंद नहीं थी, इसलिए वे सती के विवाह के विरुद्ध थे। दक्ष प्रजापति ने एक विशाल यज्ञ (बृहस्पति यज्ञ) का आयोजन किया, जिसमें समस्त देवी-देवताओं को आमंत्रित किया गया, परंतु सती और शिव को जानबूझकर नहीं बुलाया। सती को जब इस यज्ञ के बारे में पता चला, तो उन्होंने पिता के घर जाने का हठ किया।

शिव ने उन्हें समझाया कि बिना बुलाए जाना उचित नहीं है, लेकिन सती के हठ के आगे शिव को झुकना पड़ा और उन्होंने सती को जाने की अनुमति दे दी। यज्ञ स्थल पर पहुँचकर सती को भारी अपमान का सामना करना पड़ा। दक्ष ने सबके सामने शिव के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया। पति का अपमान सुनकर सती अत्यंत दुखी और क्रोधित हो गईं। उन्होंने कहा कि जिस शरीर ने शिव का अपमान सुना है, वह अब जीवित रहने के योग्य नहीं है। इसके बाद, सती ने योगशक्ति से अपने शरीर को वहीं यज्ञ की अग्नि में भस्म कर दिया। सती के आत्मदाह की खबर सुनकर शिव अत्यंत क्रोधित हुए और उन्होंने वीरभद्र को भेजकर दक्ष का यज्ञ विध्वंस कर दिया। शिव सती के पार्थिव शरीर को लेकर तांडव करने लगे। सती के प्रति शिव के मोह को तोड़ने और ब्रह्मांड को बचाने के लिए भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर के 51 टुकड़े कर दिए। जहाँ-जहाँ सती के अंग गिरे, वहाँ 51 शक्तिपीठ स्थापित हुए। कथा में विद्या भारती के संगठन मंत्री योगेश शर्मा ने प्रेम सगाई गीत सुनाया जिसे मौजूद भक्ति भाव विभोर हो गए। आरती में प्रमुख रूप से नगर परिषद अध्यक्ष शांतिलाल हलकारा, अखिलेश उपाध्याय, दिलीप मोदी, रामलाल नांदेड़ा,कैलाश विपट,मनोजमोदी, योगेश यति, द्वारका ,सोनी, रमेश जायसवाल,वर्धमान जैन, अविनाश विपट,तेजुलाल जटिया, गोपाल गेहलोत,कैलाश धाकड़,मोहित शर्मा, विपिन सोलंकी आदि जन बड़ी संख्या में मौजूद थे आज की श्रीमद् भागवत कथा में ध्रुव चरित्र एवं प्रहलाद चरित्र का महात्म्य सुनाएं जाएगा।

खिमला पावर प्लांट में बड़ा हादसा, ऊंचाई से गिरकर युवा सुपरवाइजर की मौत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खिमला पावर प्लांट, एलएंडटी कंपनी द्वारा संचालित इकाई में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहाँ काम के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी ने एक युवा सुपरवाइजर की जान ले ली। घटना के बाद प्लांट परिसर में भारी तनाव और हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई।

हादसे का विवरण- मृतक की पहचान एहसान उल हक (25 वर्ष), पिता रियाजउल हक के रूप में हुई है, जो मूल रूप से पश्चिम बंगाल का निवासी था। जानकारी के अनुसार, कल देर शाम एहसान प्लांट में 6 मंजिला दीवार पर लगी प्लेट को ठीक करने के लिए चढ़ा था। अचानक संतुलन बिगड़ने से वे सीधे नीचे गिर गए। सहकर्मियों का आरोप है कि कार्यस्थल पर सेफ्टी जाली नहीं लगाई गई थी, जिसके कारण यह जानलेवा हादसा हुआ।

मजदूरों का आक्रोश और तोड़फोड़- हादसे की खबर फैलते ही आज सुबह कंपनी के कर्मचारियों और मजदूरों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने काम बंद कर दिया और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आक्रोश इतना अधिक था कि प्लांट परिसर में तोड़फोड़ की भी सूचना मिली है। मजदूरों ने मृतक के परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा दिये जाने, प्लांट में काम करने वाले सभी कर्मचारियों के लिए सेफ्टी और सिक्योरिटी के पुख्ता इंतजाम करने और सुरक्षा मानकों में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया.

प्रशासनिक कार्रवाई- हंगामे की सूचना मिलते ही रामपुरा पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने उग्र कर्मचारियों को समझा-बुझाकर शांत कराया और कंपनी प्रबंधन से मांगों पर चर्चा करने का आश्वासन दिया। पुलिस और प्रशासन की मध्यस्थता के बाद करीब कई घंटों तक चला हंगामा समाप्त हुआ।

शव को भेजा गया गृह राज्य- पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

विद्यार्थियों द्वारा निकाली गई नगर मे पर्यावरण जागरूकता रैली

मां शारदा पब्लिक कान्वेंट स्कुल बड़ावदा ने दिखाया पर्यावरण के प्रति प्रेम

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान समय की स्थिति को देखते हुए जहां एक और प्लास्टिक को उपयोग करने के लिए लोगों की होड़ बनी है। मां शारदा पब्लिक कॉन्वेंट स्कूल, बड़ावदा के विद्यार्थियों द्वारा आज नगर में एक प्रेरणादायक पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई।

इस रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवन और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था।

विद्यार्थियों ने हाथों में तख्तीया और स्लोगन लेकर नगर में भ्रमण किया तथा लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

साथ ही, नागरिकों को कपड़े के थैले वितरित कर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की अपील की।

रैली के दौरान विद्यार्थियों ने नारे लगाए जैसे - प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ स्वच्छ धरती, स्वस्थ जीवन इस अभियान में स्थानीय नागरिकों एवं प्रशासन का भी सहयोग मिला। विशेष रूप से पुलिस विभाग के साथ मिलकर विद्यार्थियों ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

यह पहल विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

एक पॉलिथीन किस प्रकार से स्वस्थ बच्चे के अंदर कैंसर अथवा अन्य बीमारियों की प्रकोप को तैयार करती हैं। उसी को चरित्र चित्रण किया हैं मां शारदा स्कूल बड़ावदा के बच्चो और शिक्षक स्टाफ ने स्कूल प्राचार्य रामकरण कुमावत ने ईको क्लब द्वारा दी गई जवाबदेही को सभी शिक्षक साथियों और बच्चों के साथ पूरा करने का प्रयास किया ।

नगर मैं जगह जगह माइक संचालन करते हुए पॉलीथिन और डिस्पोजल से होने वाली बीमारियों को बताया गया।

साथ ही नगर में कपड़े की थैली का वितरण कर पॉलिथीन पर प्रतिबंध लगाने, चाय की होटल पर डिस्पोजल पर प्रतिबंध लगाने, नालियों अथवा घरों से निकलने वाले अपशिष्ट अथवा और खराब पानी को शुद्ध जलाशय में मिलने से रोकने के लिए, प्रकृति में पेड़ों की अनिवार्यता और पर्यावरण संरक्षण ,आदि का एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर लोगो को एक संदेश देने का प्रयास किया हैं।

रोज मर्रा की जरूरत को सीमित करके भी हम प्रकृति को नुकसान होने से बचा सकते हैं।

रैली के माध्यम से बच्चों ने पत्रकार साथियों से चर्चा भी की और नगर में प्रत्येक प्रतिष्ठित दुकानों पर जाकर कपड़े की थेली देकर निवेदन किया ,की हमारा नगर पूर्ण रूप से पॉलीथिन मुक्त डिस्पोजल मुक्त हो।

थाना प्रभारी महोदय को भी इस अभियान से जोड़ने और पर्यावरण जागरूकता अभियान के अंतर्गत कपड़े की थैली बैग देकर पॉलीथिन प्रतिबंध हो आग्रह किया।

इस पूरे कार्यक्रम को बच्चो और शिक्षकों द्वारा सफल बनाने का पूरा प्रयास किया गया ।

इस कार्यक्रम की विशेष भूमिका पर्यावरण जागरूकता अभियान के प्रभारी श्री जवान सिंह गुर्जर सर उप प्राचार्य लोकेंद्र सर प्रबंधक तन्नु कुंवर मैडम,सहायक दिव्या पाटीदार मैडम , रैली संचालन प्रभारी दीपक पाटीदार सर, समरथ चौधरी सर ,अर्जुन नवटिया ,अर्जुन प्रजापत सर, गोकुल सिंह झाला सर,शीतल मैडम ,ज्योति मैडम,निकिता कुंवर, शानू कुंवर,खुशी मैडम ,रवीना मैडम,ऐश्वर्या बैरागी मैडम , पुजा मैडम ,सविता अवस्थी मैडम,सलोनी मैडम , आदि शिक्षकों ने अपनी पूर्ण भूमिका निभाई।

प्राचार्य महोदय रामकरण कुमावत और पर्यावरण जागरूकता अभियान कार्यक्रम के प्रभारी जुवान सिंह गुर्जर सर ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी बच्चों और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया ।

जन सहयोग से जल संवर्धन के तहत ग्वालटोली तालाब पर स्वच्छता के लिए किया श्रमदान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जनसहयोग से जल संवर्धन अभियान के तहत शनिवार को जिला मुख्यालय नीमच पर स्थित ग्वालटोली तालाब पर न.पा. नीमच द्वारा स्वच्छता के लिए श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार,कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ,जिला पंचायत सी.ई.ओं. श्री अमन वैष्णव,ए.डी.एम. श्री बी.एस.कलेश, नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चौपड़ा,पार्षदगण जनप्रतिनिधिगण,विभिन्न सस्थाओं के प्रतिनिधियों ने तालाब परिसर की साफ-सफाई के लिए श्रमदान किया गया। जन सहयोग से स्वच्छता के लिए किए गए इस श्रमदान से ग्वालटोली तालाब का स्वरूप बदला बदला सा नजर आने लगा है ।

मयौरा गैस एजेंसी का बड़ा फर्जीवाड़ा, बुकिंग के 21 दिन बाद भी सिलेंडर नदारद, रिकॉर्ड में दिखाया डिलीवर्ड, कालाबाजारी की बू

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मयौरा गैस एजेंसी इन दिनों उपभोक्ताओं के हक पर डाका डालने और सरकारी रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ करने को लेकर विवादों के घेरे में है। एजेंसी पर आरोप है कि वह उपभोक्ताओं को बिना सिलेंडर दिए ही रिकॉर्ड में फर्जी डिलीवरी दिखा रही है, जो सीधे तौर पर वित्तीय धोखाधड़ी और कालाबाजारी की ओर इशारा करता है।

क्या है पूरा मामला

एक पीड़ित उपभोक्ता ने साक्ष्यों के साथ खुलासा किया कि उन्होंने 7 मार्च 2026 को Hello BPCL के माध्यम से ऑनलाइन गैस बुकिंग की थी और तत्काल भुगतान भी कर दिया था। डिजिटल इंडिया के दौर में जहाँ सेवा त्वरित होनी चाहिए, वहीं एजेंसी ने 15 मार्च को कागजों में सिलेंडर डिलीवर दिखा दिया।

हैरानी की बातः आज 28 मार्च बीत जाने के बाद भी उपभोक्ता के घर तक सिलेंडर नहीं पहुँचा है। यानी 21 दिनों से उपभोक्ता अपने हक के लिए भटक रहा है।

एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल- पीड़ित द्वारा दो बार एजेंसी कार्यालय के चक्कर काटे गए, लेकिन हर बार कल मिल जाएगा का झुनझुना थमाकर उन्हें वापस भेज दिया गया। उपभोक्ता के अनुसार, यह उनके साथ तीसरी बार हो रहा है। इससे कुछ गंभीर सवाल खड़े होते हैं यदि सिलेंडर उपभोक्ता को नहीं मिला, तो रिकॉर्ड में Delivered कैसे दर्ज हुआ

उपभोक्ता के नाम का वह सिलेंडर आखिर किस ब्लैक मार्केट या रसूखदार के पास पहुँचा

क्या डिजिटल जानकारी के अभाव वाले ग्रामीण और भोले-भाले उपभोक्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है

कालाबाजारी की प्रबल आशंका

रिकॉर्ड में फर्जी डिलीवरी दिखाना महज तकनीकी खामी नहीं बल्कि एक सुयोजित अपराध है। जानकारों का मानना है कि सब्सिडी वाले सिलेंडरों को कागजों में खपाकर उन्हें ऊंचे दामों पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों या अन्य जगह बेचना एक बड़ा रैकेट हो सकता है।

प्रशासन से न्याय की गुहार- पीड़ित उपभोक्ता ने अब इस मामले को उच्च अधिकारियों और रसद विभाग के समक्ष ले जाने का निर्णय लिया है। मांग है किः

एजेंसी के स्टॉक रजिस्टर और डिजिटल लॉग की गहन जांच हो।

पिछले 6 महीनों में कितनी डिलीवरी ऑन पेपर हुई और कितनों को वास्तव में मिली, इसका ऑडिट हो।

लापरवाह मयौरा गैस एजेंसी का लाइसेंस रद्द कर दोषियों पर स्नढ्ढक्र दर्ज की जाए।

चेतावनीः यदि समय रहते जिला प्रशासन और BPCL के उच्च अधिकारियों ने इस पर अंकुश नहीं लगाया, तो यह गैस वितरण घोटाला उग्र जन-आंदोलन का रूप ले सकता है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

पंचकोशी यात्रा की तैयारियों पर प्रशासन सख्त, 5 अप्रैल तक सभी इंतजाम पूरे करने के निर्देश

नागचंद्रेश्वर के दर्शन करने के बाद अधिकारियों ने यात्रा मार्ग का किया निरीक्षण, पेयजल, सुरक्षा और रोशनी व्यवस्था पर विशेष फोकस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 12 अप्रैल से शुरू होने वाली पंचकोशी यात्रा को लेकर प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। शनिवार को संभागायुक्त, कलेक्टर, डीआईजी और एसपी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने पूरे यात्रा मार्ग का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जिम्मेदार विभागों को सख्त निर्देश दिए।

निरीक्षण की शुरुआत पटनी बाजार स्थित नागचंद्रेश्वर महादेव मंदिर से हुई, जहां अधिकारियों ने पूजा-अर्चना कर मंदिर परिसर में साफ-सफाई, पेयजल टंकी की स्वच्छता, सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त रोशनी और एलईडी स्क्रीन लगाने के निर्देश दिए।

इसके बाद अधिकारियों की टीम बस से उंडासा, पिंगलेश्वर, त्रिवेणी शनि मंदिर, करोहन, नलवा, अंबोदिया सहित विभिन्न पड़ाव और उप-पड़ाव स्थलों तक पहुंची। इस दौरान संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि पड़ावों के बीच भी श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वहीं खुले कुओं और निर्माणाधीन पुल-पुलियाओं के पास सुरक्षा के लिहाज से बैरिकेडिंग और अतिरिक्त रोशनी अनिवार्य रूप से लगाई जाए।पिंगलेश्वर क्षेत्र में रेलवे ओवरब्रिज के नीचे सीसीटीवी कैमरे लगाने, अस्थाई शौचालयों, लाइट और पानी के टैंकर पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। त्रिवेणी क्षेत्र में श्रद्धालुओं के स्नान के लिए शावर लगाने को कहा गया।अंबोदिया में आयोजित बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पंचकोशी यात्रा के दौरान कोई नया निर्माण कार्य शुरू न किया जाए। वर्तमान में चल रहे कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए, ताकि यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही जहां जरूरत हो, वहां मार्ग का समतलीकरण करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने सभी विभागों को 5 अप्रैल तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के लिए कहा। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर तैनात अधिकारी-कर्मचारी अपनी शिफ्ट पूरी जिम्मेदारी से निभाएं और रिलीवर के आने के बाद ही स्थान छोड़ें। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम, जिला पंचायत, वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन का फोकस इस बार पंचकोशी यात्रा को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने पर है।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला की हत्या कर उसकी लाश को बोर में बंद कर फेंकने वाले आरोपी को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। महिला के लापता होने पर पुत्र ने उनकी दर्ज कराई थी, 2 दिन बाद लाश मिलने पर पुलिस में जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया था।

मीडिया सेल प्रभारी कुलदीप सिंह भदौरिया ने बताया कि 20 सितंबर 2023 को मुन्नालाल द्वारा पुलिस थाना नागदा में सूचना दी कि वह ग्राम पाल्याकला में रहता है और शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर सेल्समैन का काम करता है। 19 सितंबर 2023 को मां वरदीबाई घर से सब्जी लेने का बोलकर गयी थी, जो एक घंटे तक घर पर नहीं आई तो उसने अपनी मम्मी के मोबाइल नंबर पर फोन लगाया तो फोन बंद आ रहा था, फिर उसने रिश्तेदारों में फोन लगाकर वरदीबाई की तलाश की तो उनका कोई पता नहीं चला। उसकी मां वरदीबाई बिना बताये चली गयी है। पुलिस ने गुमदशुदा व्यक्ति का पंजीकरण किया गया। 21 सितंबर 2023 को डायल 100 गाडी पर कार्यरत् आरक्षक धीरज यादव को जूना नागदा ईट भट्टों के पास एक अज्ञात महिला का शव पडे होने की सूचना प्राप्त हुई। नागदा थाना प्रभारी निरीक्षक नलिन बुधोलिया उपनिरीक्षक हेमंत सिंह जादौन घटनास्थल पर पहुंचे। चंबल नदी के किनारे पानी में एक अज्ञात महिला का शव टाट के बोरे में रखा हुआ पाया और बोरे में से महिला का सिर और दोनों हाथ बाहर निकले हुये थे। शव पडे होने की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों एवं एफएसएल टीम को दी गयी। मौके पर मौजूद विजय सिंह की सूचना पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जानकारी सामने आई की महिला को रतनलाल गुर्जर के साथ देखा गया था। रतनलाल की तलाश शुरू कर उसे हिरासत में लिया तो उसने हत्या करना कबूल कर लिया। पुलिस ने अनुंसधान उपरान्त अभियोग पत्र तैयार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। ढाई साल चली सुनवाई के बाद माननीय न्यायालय अरविंद प्रताप सिंह चैहान, विशेष न्यायाधीश महोदय अनूसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम जिला उज्जैन के द्वारा आरोपी रतन लाल पिता कालू गुर्जर धारा-302, धारा-404 एवं धारा-201 भादवि के अपराध में आजीवन कारावास एवं कुल 3000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में पैरवी ईश्वर सिंह केलकर, विशेष लोक अभियोजक द्वारा की गई।

आपदा क्षमतावृद्धि कार्यक्रम पर प्रशिक्षण का समापन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सेनानी होमगार्ड श्री संतोष जाट ने बताया कि होमगार्ड लाइन में विगत 05 दिवस से संचालित दो प्रशिक्षण क्रमशः भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन एवं ध्वस्त संरचना खोज एवं बचाव का शनिवार को विधिवत समापन किया गया।

प्रशिक्षण में सम्मिलित प्रोफेसर, पुलिस, जनपद पंचायत सदस्य नगरीय प्रशासन, प्राचार्य, स्कूल शिक्षक एवं रेडक्रॉस सदस्य, एनसीसी सदस्य, स्वयंसेवी संगठन के प्रतिनिधि, नेहरू युवा केन्द्र के सेवक, एनएसएस, होमगार्ड एवं सेवानिवृत्त सैनिकों इत्यादि को आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं होमगार्ड नागरिक सुरक्षा के तत्वावधान में साथ ही होमगार्ड जिला सेनानी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विगत 23 मार्च से किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को भूकंप, भूगर्भिक आपदाओं का परिचय, भूकंप की भारत एवं म.प्र. में स्थिति, सीपीआर, भूकंप अनुक्रिया एवं प्रतिक्रिया, निकासी खोज बचाव, हताहतों का परिवहन, चिकित्सा सहायता, भूकंप मॉकड्रिल और ध्वस्त संरचना खोज एवं बचाव के बारे में, खोज सिद्धांत, बचाव तकनीक के बारे में, बाहरी कौशल, सर्पदंश, रस्सी की गांठे, बचाव एवं निकासी, खोज सिद्धांत एवं तकनीकी साक्ष्य प्रबंधन, सीएसएसआर के इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण प्लाटून कमाण्डरों, होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ टीम द्वारा दिया गया। समापन में जिला सेनानी द्वारा दोनों प्रशिक्षण में शामिल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

गऊघाट तक पहुंचेगा अब सीधे नर्मदा का पानी, क्रॉस लाइन जोड़ने का काम अंतिम चरण में

भूखी माता चौराहे पर हुआ अहम कनेक्शन, महापौर ने किया निरीक्षण—शहर में पेयजल संकट से मिलेगी राहत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहरवासियों के लिए राहत भरी खबर है। गऊघाट लाइन को नर्मदा लाइन से जोड़ने की महत्वपूर्ण योजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। इस काम के पूरा होते ही गऊघाट प्लांट तक सीधे नर्मदा का पानी पहुंच सकेगा, जिससे पेयजल संकट काफी हद तक दूर होने की उम्मीद है।

शुक्रवार को नगर निगम के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संधारण खंड द्वारा गंभीर नदी से आने वाली मुख्य राइजिंग मेन लाइन में नर्मदा लाइन जोड़ने का काम किया गया। इस दौरान 800 एमएम डायमीटर की लाइन, जो गऊघाट की ओर जा रही है, उसे जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई।

महापौर मुकेश टटवाल ने जल कार्य समिति प्रभारी प्रकाश शर्मा के साथ भूखी माता क्षेत्र में चल रहे इस काम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से प्रगति की जानकारी ली और कार्य को तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

महापौर टटवाल ने बताया कि यह योजना शहर के लिए बेहद अहम है। इसके पूरा होते ही नर्मदा का पानी सीधे गऊघाट प्लांट तक पहुंचेगा, जिससे जल आपूर्ति बेहतर होगी और लोगों को पानी की किल्लत से राहत मिलेगी।

योजना के तहत भूखी माता चौराहे पर क्रॉस लाइन डालकर नर्मदा लाइन को जोड़ा जा रहा है। निगम अधिकारियों के अनुसार, काम तेजी से चल रहा है और जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा।

शहर में बढ़ती आबादी और पानी की मांग को देखते हुए यह परियोजना काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके पूरा होने के बाद जल वितरण व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

होटल कर्मचारी के साथ ऑनलाइन 1 लाख की धोखाधड़ी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होटल में काम करने वाले युवक को भाई के जेल में बंद होने का मैसेज भेज 1 लाख रूपये मांगे गये। युवक ने भाई को छुड़ाने के लिये ऑनलाइन रूपयों का ट्रांजेक्शन कर लिया। धोखाधड़ी का आभास होने पर होटल कर्मचारी ने मामले की शिकायत पुलिस को दर्ज कराई। माधवनगर थाना प्रभारी राकेश भारती ने बताया कि टॉवर चौक पर बनाना लीफ रेस्टोरेंट में रविन्द्र पिता नानूलाल यादव निवासी बिहार हाल मुकाम टॉवर चौक काम करता है। उसका भाई दुबई में रहता है। 10 मार्च को भाई की फेसबुक मैसेंजर से उसे मैसेज मिला कि मैं मुसीबत में हूं। पुलिस ने पकड़ा है, एक नम्बर भेज रहा हूं बात करना। रविन्द्र ने मैसेंजर पर आये मैसेज में दिये गये नम्बर पर कॉल किया तो बताया कि तुम्हारा भाई जेल में है। उसे छुड़ाना है तो 1 लाख रूपये भेजों। भाई को छोड़ दिया जायेगा और घर भी भेज देगें। रविन्द्र ने बिना सोचे समझे 1 लाख का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर दिया। दूसरे दिन भाई से बात करने पर पता चला कि उसका मोबाइल किसी ने हैक किया था। उसे पुलिस ने नहीं पकड़ा था। भाई से बात होने पर रविन्द्र को अपने साथ आनलाइन धोखाधड़ी का आभास हुआ तो उसने थाने आकर शिकायत दर्ज कराई। मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है।

गर्मी के साथ ही आग लगने की घटनाओं में इजाफा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तापमान में लगातार हो रही वृद्धि के साथ ही आगजनी की घटनाओं में भी तेजी आने लगी है। शनिवार सुबह नगर निगम के फायर ब्रिगेड कार्यालय में शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से एक के बाद एक आग लगने की सूचनाएं पहुंचीं, जिसके बाद दमकलों को रवाना किया गया। फायर अधिकारी एलपी साहु के अनुसार ग्राम करोंदिया, ताजपुर, कैसोनी और दताना-मताना क्षेत्र में स्थित पेट्रोल पंपों के समीप आग लगने की घटनाएं सामने आईं। इसके अलावा नजरपुर पेट्रोल पंप के पास और जमालपुर गांव में भी आग भडक़ने की सूचना मिली। अलग-अलग स्थानों से मिली इन सूचनाओं के बाद फायर ब्रिगेड की टीमों को तत्काल रवाना किया गया। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा नुकसान होने से टल गया। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों में सूखी घास, तेज गर्मी और लापरवाही को प्रमुख वजह माना जा रहा है। नगर निगम के अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि गर्मी के मौसम में विशेष सतर्कता बरतें, खुले में कचरा या सूखी घास न जलाएं और किसी भी प्रकार की आग लगने की स्थिति में तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दें।

डंपर से टकराई बाइक, 2 युवक गंभीर घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मिस्त्री का काम करने वाले दो युवक शनिवार सुबह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। दोनों को गंभीर चोट लगने पर उपचार के लिए शासकीय चरक अस्पताल लाया गया।

मकड़ोन के ग्राम पाट में रहने वाला अंकित पिता गोवर्धन और हरिओम पिता निर्भय सिंह मिस्त्री का काम करते हैं। शनिवार सुबह दोनों बाइक से सवार होकर उज्जैन काम के लिए आ रहे थे। रास्ते में ग्राम झालरा के समीप अंकित बाइक पर नियंत्रण नहीं रख पाया और आगे चल रहे डंपर से जा टकराया। दुर्घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर घायल हो गए। जिन्हें लोगों की मदद से उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना की जानकारी लगते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए थे। घटनाक्रम में बाइक क्षतिग्रस्त हुई है। पुलिस द्वारा घायलों के बयान दर्ज कर मामले में जांच शुरू की जाएगी। एक अन्य दुर्घटना में इंदौर के व्यास नगर में रहने वाला पंकज पिता राधेश्याम 30 वर्ष इंगोरिया में रहने वाले अपने मामा के यहां शादी में शामिल होने के लिए बाइक से आ रहा था, इंगोरिया पहुंचने के बाद बाइक की रफ्तार पर नियंत्रण नहीं रख पाया और सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया। ग्रामीणों ने उसे घायल हालत में देखा तो पूछताछ की। मामा का परिवार घटनास्थल पहुंचा और पंकज को अस्पताल उपचार के लिए लाया गया।

अफवाहों ने बढ़ाई पेट्रोल-डीजल की खपत, दो दिन में दोगुनी बिक्री के बाद हालात सामान्य

लंबी कतारों के बीच 32 हजार किलोलीटर पेट्रोल और 48 हजार किलोलीटर डीजल बिका, प्रशासन ने कहा—पर्याप्त स्टॉक, अफवाहों से बचें

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाहों ने बीते दो दिनों में हालात बिगाड़ दिए। अफवाहों के चलते पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गईं और लोगों ने जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवाया। इसका असर यह हुआ कि सामान्य दिनों की तुलना में खपत दोगुनी तक पहुंच गई।

जानकारी के अनुसार, जहां आमतौर पर शहर में करीब 16 हजार किलोलीटर पेट्रोल और 24 हजार किलोलीटर डीजल की बिक्री होती है, वहीं अफवाहों के दौरान यह आंकड़ा बढ़कर 32 हजार किलोलीटर पेट्रोल और 48 हजार किलोलीटर डीजल तक पहुंच गया। लोग अपनी गाड़ियों में फुल टैंक करवाने के साथ अतिरिक्त ईंधन भी भरवाते नजर आए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कई पेट्रोल पंपों को रात 10 बजे ही बंद करना पड़ा। अगले दिन सुबह से ही फिर लंबी कतारें देखने को मिलीं। हालांकि, दो दिनों की अफरा-तफरी के बाद गुरुवार सुबह से हालात सामान्य हो गए और पेट्रोल पंपों पर भीड़ कम हो गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

तीन महीने की खपत तय करेगी गैस का कोटा, होटल-केटरिंग सेक्टर पर नई व्यवस्था लागू

अब औसत खपत के आधार पर मिलेगा कमर्शियल सिलेंडर, घरेलू उपभोक्ताओं की दिक्कत बढ़ने की आशंका

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश में व्यावसायिक गैस वितरण व्यवस्था को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब होटल, रेस्टोरेंट, केटरिंग और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को कमर्शियल गैस सिलेंडर पिछले तीन महीने की खपत के औसत के आधार पर दिए जाएंगे। शासन ने अलग-अलग सेक्टर के लिए कोटा तय कर दिया है, ताकि आवश्यक सेवाओं और संस्थानों को प्राथमिकता के साथ गैस उपलब्ध कराई जा सके।

नई व्यवस्था के अनुसार गैस एजेंसियां अब प्रत्येक उपभोक्ता की पिछली तीन माह की खपत का औसत निकालकर उसकी दैनिक जरूरत तय करेंगी। इसी आधार पर सिलेंडर की सप्लाई की जाएगी। इससे अचानक बढ़ी मांग या अनियमित वितरण की समस्या पर नियंत्रण रखने का दावा किया जा रहा है।

अधिकारियों का कहना है कि इससे उपभोक्ताओं को उनकी वास्तविक जरूरत के अनुसार गैस मिल सकेगी और कालाबाजारी व स्टॉक जमा करने जैसी प्रवृत्तियों पर भी लगाम लगेगी। वहीं, इस बदलाव का असर घरेलू गैस उपभोक्ताओं पर भी पड़ सकता है। बुकिंग और डिलीवरी में देरी की शिकायतें बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। शहर में पहले ही कई उपभोक्ता समय पर सिलेंडर नहीं मिलने से परेशान हैं। नई व्यवस्था में सेक्टरवार गैस का बंटवारा भी तय किया गया है। जानकारी के मुताबिक शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों को उनकी जरूरत का 100 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराया जाएगा, जो कुल आपूर्ति का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा होगा। होटल, रेस्टोरेंट और केटरिंग सेक्टर को लगभग 9-9 प्रतिशत गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। ढाबों और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए 7 प्रतिशत कोटा निर्धारित किया गया है। वहीं केंद्रीय सुरक्षा बल, पुलिस, जेल, सामाजिक न्याय विभाग के संस्थानों और दीनदयाल रसोई योजना के लिए 35 प्रतिशत गैस आरक्षित रखी गई है। प्रशासन का मानना है कि यह नई व्यवस्था गैस वितरण को अधिक पारदर्शी और संतुलित बनाएगी। हालांकि, जमीनी स्तर पर इसके असर को लेकर व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं की नजरें टिकी हुई हैं।

पता पूछने के बहाने रोका और कान के टॉप्स छीनकर भागे बदमाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो बदमाशों ने बीती शाम वृद्धा के साथ ठगी वारदात को अंजाम दे दिया। रास्ता रोक बातों में उलझाया और कान के टॉप्स लेकर भाग निकले। पुलिस बदमाशों की तलाश में अब सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही है। ढांचा भवन में रहने वाली राजूदेवी पति गोपाल बगरवाल 60 वर्ष क्षेत्र से कुछ दूरी पर जीरो पाइंट ब्रिज के पास माता मंदिर दर्शन करने प्रतिदिन जाती हैं। शाम को 6-30 बजे वह मंदिर जा रही थी उसी दौरान रास्ते दो बदमाश युवकों ने रोका और पता पूछने के साथ पानी मांगने लगे। राजू देवी ने मंदिर के सामने से पानी लेने की बात कही लेकिन दोनों युवको ने उन्हें अपनी बातों उलझा लिया और उनके बेटे के बारे में बताने लगे, इस दौरान राजूदेवी अपनी सुध-बुध खो बैठी दोनों बदमाश उनके सोने के चैन लगे कान के टॉप्स उतरवा कर अपने साथ ले गए। कुछ देर बाद राजू देवी को समझ आया कि उनके साथ लूट की वारदात हो गई है, उन्होंने घटना की जानकारी परिजनों को दी। मामला चिमनगंज थाने पहुंचा लेकिन वारदात स्थल देवास गेट थाना क्षेत्र का होने पर परिवार को शिकायत दर्ज करने के लिए भेजा गया। देवास गेट थाना पुलिस द्वारा मामले में अज्ञात दो बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे जा रहे हैं। राजू देवी यह भी स्पष्ट नहीं कर पा रही थी कि दोनों पैदल आए थे या बाइक से भागे हैं। शहर में पहले भी वृद्ध महिलाओं के साथ ऐसी वारदातें होना सामने आ चुकी है अधिकांश मामलों में पुलिस बदमाशों का सुराग नहीं लगा पाई है कुछ वारदातों में बदमाश पकड़े गए थे बावजूद इसके लगातार आभूषण ठगने की वारदातें सामने आ रही है। ऐसी वारदातों में ईरानी गैंग के बदमाशों की भूमिका पूर्व में सामने आ चुकी है।

दो दिन और लगेगा विक्रम व्यापार मेला

मेले में कारों की सबसे ज्यादा मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर रोड स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज ग्राउंड पर चल रहा विक्रम व्यापार मेला दो दिन और लगेगा। मेले में पिछले साल 27 हजार से ज्यादा वाहन बिके थे। इस बार मेले में कारों की डिमांड अधिक रही है।

इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में आयोजित विक्रम व्यापार मेले में वाहनों की खरीदी के लिए भीड़ उमड़ रही है। वाहन की डिलीवरी के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। खास बात यह है कि इस बार सबसे ज्यादा मांग कारों की देखी जा रही है। अब तक बिके वाहनों में 27,885 कारें, 6,121 दोपहिया वाहन और 1,711 अन्य वाहन शामिल हैं। आरटीओ कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार को ही 1,730 वाहन बिके, जिनमें 1,385 कार, 267 दोपहिया और 78 अन्य वाहन शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि 15 फरवरी से शुरू हुए इस मेले में गैर-परिवहन श्रेणी के वाहनों पर मोटरयान कर में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। वाहनों की बढ़ती बिक्री को देखते हुए प्रशासन ने मेले की अवधि बढ़ा दी है। पहले यह मेला 19 मार्च को समाप्त होना था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 29 मार्च कर दिया गया है। ऐसे में दो दिन और शेष रह गए हैं। पिछले वर्ष मेले में कुल 36,225 वाहन बिके थे और शासन को 186.58 करोड़ रुपए का राजस्व मिला था। इस बार मौजूदा आंकड़ों को देखते हुए यह रिकॉर्ड टूटना लगभग तय माना जा रहा है।

टीवी मुक्त भारत की दिशा में 100 दिवसीय अभियान के सफल क्रियावन हेतु जिला स्तरीय बैठक आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला क्षय अधिकारी ने बताया कि शनिवार को जिला स्तरीय टी. बी. मुक्त अभियान के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल की अध्यक्षता में स्थानीय कार्यालय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के दिशा निर्देशानुमार शत प्रतिशत क्रियावन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। फूड बास्केट वितरण, टी. बी. स्क्रीनिंग, उपचार, रिपोर्ट लक्ष्य अनुसार किया जाने के लिए आवश्यक कार्रवाई किये जाने निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला टी. बी. नियंत्रण अधिकारी डॉ. अरुण कुमार कुशवाह, समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनीष, सहायक कार्यक्रम प्रबंधक श्री दिलीप वसुनिया, समस्त टी. बी. सुपरवाईजर, अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि टीबी मुक्त भारत की दिशा में 100 दिवसीय अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ विगत 24 मार्च को विश्व क्षय दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पटेल द्वारा बताया कि 100 दिवसीय अभियान का प्रमुख उद्देश्य उच्च जोखिम क्षेत्रों एवं संवेदनशील जनसंख्या में सक्रिय टीबी की पहचान, शीघ्र निदान, उपचार, पोषण सहायता तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से टीवी के प्रसार को रोकना है।

पारिवारिक विवाद में पत्नी के साथ मारपीट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दूसरी शादी करने वाली महिला के साथ पारिवारिक विवाद को लेकर पति ने बुरी तरह मारपीट की। रातभर घायल हालत में रहने के बाद आज सुबह महिला उपचार के लिए अस्पताल पहुंची। अस्पताल की ओर से मामले की सूचना पुलिस को दी गई है।

जयसिंहपुरा में रहने वाली पिंकी पति मुकेश माली 35 वर्ष को परिजन घायल हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टर ने उसे उपचार के लिए भर्ती किया। पिंकी ने बताया कि वह पहले पति को छोड़ चुकी है मुकेश माली से दूसरी शादी की थी। रात में पारिवारिक बातों को लेकर विवाद होने पर मुकेश ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट की। रात भर वह दर्द से कराहते हुए घर में ही पड़ी रही आज सुबह मायके पक्ष के परिजनों को घटना बताई तो वह उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे।